संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-21 अंक- 175
पृष्ठ 8
रविवार
16 मार्च 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सहरी में काम हो जाएगा और भी...

विचार- सिनेमा दृश्य श्रव्य माध्यम है

खेल- इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज में रोहित...

## महाकुंभ के बाद होली ने दिया सनातन विरोधियों को जवाब- योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि महाकुंभ के बाद अब होली के त्योहार ने सनातन धर्म के विरोधियों को जवाब दे दिया है। मुख्यमंत्री ने होली के अवसर पर शुक्रवार सुबह होलिका दहन के भस्म के तिलक से शुरुआत करने और फिर घंटाघर से निकलने वाली भगवान नृसिंह की पारंपरिक रंगभरी शोभायात्रा में शामिल होकर होली खेली।

योगी ने अपराह्न काल से शाम तक गोरखनाथ मंदिर में होली मिलन कार्यक्रम में उमड़े लोगों पर फूलों की बौछार की। इस अवसर पर उन्होंने सभी को होली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के बाद अब होली ने सनातन धर्म के विरोधियों को जवाब दे दिया है और पूरे प्रदेश में शांति तथासौहार्दपूर्ण तरीके से होली का आयोजन संपन्न हुआ है।

मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में कहा, जो लोग सनातन धर्म की परंपराओं पर और सनातन धर्म पर सवाल उठाते थे, उन लोगों को जवाब है होली। जो लोग सनातन को बदनाम करते हैं और हमेशा दुष्प्रचार करते हैं कि सनातन धर्म जाति के नाम पर, मत और संप्रदाय के नाम पर, क्षेत्र और के नाम पर, अगड़ी-पिछड़ी के नाम पर, छुआछूत और अस्पृश्यता के नाम पर बंटा है, इन दुष्प्रचारों का जवाब महाकुंभ के बाद आज होली ने भी दे दिया है।

उन्होंने कहा, होली पर एक साथ हर भारतवासी, हर सनातन धर्मावलंबी गले मिल रहा था, रंग और गुलाल लगा रहा था, उत्साह-उमंग के साथ भारत की सनातन परंपरा को मजबूती प्रदान कर रहा था। यही तो हमारी सबसे बड़ी ताकत है। महाकुंभ के बाद होली के पर्व ने अपनी परंपरा और संस्कृति के प्रति श्रद्धाव आस्था का भाव प्रदर्शित कर यही संदेश दिया है कि सनातन लोगों के बीच कोई बंटवारा नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, बंटवारा तो सनातन धर्म को बदनाम करने वालों की बुद्धि में है, ऐसे लोगों की बुद्धि दूषित है। योगी ने कहा कि देश ने लंबे समय तक गुलामी झेली है और आक्रांताओं ने होली, दीपावली जैसे पर्व-त्योहार और महाकुंभ जैसे आयोजनों को बाधित करने का प्रयास किया लेकिन सनातनियों की अधिक आस्था के चलते वे कभी सफल नहीं हो पाए।

उन्होंने कहा, सनातन धर्म को जीवन पद्धति कहा जाता है। इसमें अगर कभी कोई विकृति किन्हीं कारणों से आ गई हो तो उसके परिमार्जन का मार्ग हमारे पर्व-त्योहार स्वयं ही आगे बढ़ा देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया देख रही थी जब 13 जनवरी से 26 फरवरी के बीच, 45 दिनों के प्रयागराज महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का पावन त्रिवेणी में डुबकी लगाना दुनिया के लिए कौतुक और आश्चर्य का विषय था। दुनिया के लिए यह चमत्कार सारिका था लेकिन सनातन धर्मावलंबियों के लिए वह सामान्य जीवन पद्धति का हिस्सा था।

## समय-समय पर होती रहती है पंजाब को बदनाम करने की कोशिशें -मान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शनिवार को जिला अमृतसर के एक मंदिर में हुए विस्फोट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि समय-समय पर पंजाब को बदनाम करने की कोशिशें होती रहती हैं, लेकिन हमारी पंजाब पुलिस लगातार गैर सामाजिक तत्वों पर समय पर कार्रवाई करती है। मुख्यमंत्री मान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि "ड्रोन पाकिस्तान से आ रहे हैं। मैं पंजाब के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि राज्य सुरक्षित है। पुलिस जल्द ही मामलों को सुलझा लेगी।" उन्होने कहा कि होली के मौके पर जहां देश के विभिन्न कोनों में हिंसक घटनाएं हुईं, पंजाब में सभी ने मिल-जुल कर होली खेली। लॉ एंड ऑर्डर के दृष्टिकोण से पंजाब पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होने कहा कि पड़ोसी देश अक्सर पंजाब के

साथ पंगे लेता रहता है। जब से हमने 'युद्ध नशे विरूद्ध' शुरू किया है, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने हमें रिपोर्ट दी है कि 70 प्रतिशत ड्रोन की आमद सीमा पर घट चुकी है। पंजाब में भाईचारा और शांति हमेशा कायम रहेगी। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार की देर रात को अमृतसर के खंडवाला इलाके में स्थित ठाकुर द्वारा मंदिर पर दो अज्ञात बाइक सवार लोगों द्वारा विस्फोट सामग्री फेंकने से इलाके में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया। अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने शनिवार को कहा कि पुलिस को मंदिर के पुजारी ने रात करीब दो बजे घटना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होने कहा कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। मंदिर की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गईं और खिड़कियों के शीशे टूट गए।

### खरगे,राहुल ने कांशीराम को जयंती पर किया नमन

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दलित आंदोलन के प्रमुख नेता तथा बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक काशीराम को जयंती पर आज श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया है।

श्री खरगे ने कहा समाज के दलित, वंचित, शोषित व पिछड़े वर्ग को भारतीय राजनीति की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले, महान समाज सुधारक, मान्यवर कांशीराम जी की जयंती पर हम उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने कहा उन्होंने समानता और सामाजिक न्याय के पुरोधा के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। श्री गांधी ने कहा महान समाज सुधारक, मान्यवर कांशीराम जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन। दलितों, वंचितों और शोषितों के अधिकारों के लिए उनका संघर्ष, सामाजिक न्याय की इस लड़ाई में हमारा हर कदम पर मार्गदर्शन करता रहेगा।

### बीरभूम जिले के पांच ग्राम पंचायतों में इंटरनेट, वॉयस-ओवर-इंटरनेट सेवाएं निलंबित

बीरभूम। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के सैंथिया कस्बे के कम से कम पांच ग्राम पंचायतों में इंटरनेट और वॉयस-ओवर-इंटरनेट टेलीफोनी सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है।

यह जानकारी अधिकारियों ने शुक्रवार को एक्स पर दी। अधिकारियों ने कहा कि यह प्रतिबंध ा अफवाहों एवं गैरकानूनी गतिविधियों को रोकने के लिए लगाया गया है। यह प्रतिबंध 14 मार्च (शुक्रवार) से लेकर 17 मार्च (सोमवार) तक प्रभावी रहेगा।

### कर्नाटक विधानसभा के उपाध्यक्ष सड़क दुर्घटना में घायल

चित्रदुर्ग। कर्नाटक विधानसभा के उपाध्यक्ष रुद्रप्पा लमानी शुक्रवार रात चित्रदुर्ग जिले के हिरियुर के पास एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गये। हावेरी जिले में अपने पैतृक गांव जा रहे लमानी की कार हिरियूर तालुका के जवनगोंडानहल्ली के निकट दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हो गई।

पुलिस के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब लमानी आवश्यक कार्य के लिए अपने वाहन से उतरे और राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक दोपहिया वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हालांकि उन्हें मामूली चोटें आईं और उनकी हालत गंभीर नहीं मानी जा रही है। . हिरियूर सरकारी अस्पताल में प्रारंभिक उपचार के बाद, लमानी को आगे की देखभाल के लिए दावणगेरे के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। मेडिकल रिपोर्ट में पुष्टि की गई है कि वह खतरे से बाहर है।

### झारखंड में दो गुटों के बीच पथराव, उपद्रवियों ने कुछ दुकानों में लगाई आग

रांची। झारखंड के गिरिडीह जिले के घोड़थम्भा में बीती रात दो गुटों के बीच पथराव हुआ और उपद्रवियों ने कुछ दुकानों में आग भी लगा दी। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि इस दौरान एक बाइक को भी आग के हवाले कर दिया गया। सूत्रों ने बताया की स्थिति अभी पूरी तरह नियंत्रण में है लेकिन क्षेत्र में तनाव व्याप्त है। घटना की सूचना मिलने के बाद सीडीपीओ राजेंद्र प्रसाद पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों को समझाने बुझाने का प्रयास किया।

## इसरो ने सी-32 क्रायोजेनिक प्रणोदन प्रणाली विकसित की- डा. नारायणन

तिरुवनंतपुरम। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सी-32 क्रायोजेनिक प्रणोदन प्रणाली को सफलतापूर्वक विकसित किया है, जिससे उन्नत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की अंतरिक्ष कार्यक्रम में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

यह उपलब्धि ऐसे समय में हुई है जबकि इसरो ने स्पेसएक्स के साथ अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को जोड़ने और अलग करने की प्रौद्योगिकी का सफल प्रदर्शन करते हुए अमेरिका, रूस और चीन की श्रेणी में अपना स्थान बना लिया है।.

इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने शनिवार को क्रायोजोनिक प्रौद्योगिकी सी-32 के विकास में सफलता की घोषणा करते हुए यहां संवाददाताओं को बताया कि 20 टन के बल वाले क्रायोजेनिक इंजन द्वारा संचालित सी-32 चरण मानव सहित अंतरिक्ष अभियान और अन्वेषण क्षमताओं को हासिल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

इसरो ने लम्बी उडान के लिए डिजाइन की गई इस प्रणाली का एक स्वदेशी नोजल सुरक्षा तंत्र का उपयोग कर इसका सफलतापूर्वक परीक्षण किया है और इससे लम्बी अवधि तक परीक्षण करना संभव हुआ। यह प्रणाली भविष्य में भारी-भरकम उपग्रहों को अंतरिक्ष मिशनों के लिए महत्वपूर्ण है। डॉ. नारायणन ने कहा, "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता की दिशा में हमारी यात्रा में यह एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एक समय भारत को क्रायोजेनिक प्रणोदन प्रौद्योगिकी देने से इंकार कर दिया था, लेकिन आज हमने सी-32 सहित क्रायोजेनिक रॉकेट के तीन चरणों का सफलतापूर्वक विकास और परीक्षण कर यह साबित कर दिया है और यह अंतरिक्ष अन्वेषण

की सीमाओं को नयी ऊंचाई तक ले जाने की हमारी क्षमता को दर्शाता है।"

उल्लेखनीय है कि इससे पहले भारत ने इसी साल अंतरिक्ष में दो उपग्रहों प्रक्षेपित कर उन्हें अंतरिक्ष में परस्पर जोड़ने (डॉकिंग) और अलग करने (अनडॉकिंग) की जटिल प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन कर दुनिया के विरले देश में अपना स्थान बनाया है। यह प्रौद्योगिकी भी मानव सहित अंतरिक्ष मिशन के लिए महत्वपूर्ण है।

डॉ. नारायणन ने कहा, "यह उपलब्धि भारत के भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी, जिसमें प्रस्तावित गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम भी शामिल है, तथा यह अंतरिक्ष यात्रा करने वाले राष्ट्र के रूप में हमारी स्थिति को और भी मजबूती प्रदान करेगी।" उन्होंने कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों, औद्योगिक साझेदारों और शैक्षणिक सहयोगियों के समर्पित प्रयासों से भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेतृत्व करने की दिशा में अपने लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

## साहिब सिंह वर्मा के सपनों की दिल्ली बनाने के लिए प्रतिबद्ध - रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि हम मिलकर पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के सपनों की दिल्ली बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्रीमती रेखा गुप्ता और मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीमती रेखा गुप्ता ने

साहिब सिंह वर्मा के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं और उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा "मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे उनके शुरू किए गए कार्यों को आगे बढ़ाने का अवसर मिला है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम दिल्ली को विकास की राह पर और आगे लेकर जाएं।" मुख्यमंत्री ने अपने छात्र जीवन की एक याद साझा करते हुए बताया कि जब वह दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ की अध्यक्ष बनी थीं, तब साहिब सिंह वर्मा ने खुद उन्हें बधाई दी थी। आज उनकी बेटी दिल्ली की मुख्यमंत्री है और बेटा (प्रवेश वर्मा) मंत्री हैं। हम मिलकर साहिब सिंह वर्मा के सपनों की दिल्ली बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इस अवसर पर अपने पिता के अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली के विकास को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, "मेरे पिता ने अपना पूरा जीवन दिल्ली की सेवा में लगा दिया। अब उनकी अधूरी योजनाओं को पूरा करने की जिम्मेदारी मेरी है।

## प्रयागराज के लोकनाथ चौराहे पर दूसरे दिन जमकर खेली होली, बड़ी संख्या में जुटे लोग

प्रयागराज। प्रयागराज में दूसरे दिन भी जमकर होली खेली जा रही है। दो दिवसीय होली समारोह के दूसरे दिन रंगों का

त्योहार मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग प्रयागराज के लोकनाथ चौराहे पर एकत्र हुए। यहां एक दूसरे को रंग–गुलाल लगाकर होली खेली। इस दौरान जमकर मस्ती की। डीजे पर डांस किया। आज पुलिस कर्मी भी होली खेल रहे हैं।

## 'रात में सभी खाना खाकर सोए थे, सुबह खून से लथपथ मिली लाश', घर में महिला की धारदार हथियार से हत्या

प्रयागराज। प्रयागराज में एक महिला की धारदार हथियार से हत्या करने के मामला सामने आया है। महिला घर के अंदर सो रही थी। पुलिस ने पिता और भाइयों को हिरासत में लिया है और पूछताछ कर रही है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक महिला

की धारदार हथियार से हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। साथ ही महिला के पिता और भाइयों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार, हंडिया के बरौत कस्बे में घर के अंदर सो रही महिला (32) की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। गले पर ताबड़तोड़ वारकर उसे मौत के घाट उतारा गया। महिला की शादी 13 साल पहले हुई थी। हंडिया के सिंहापुर निवासी उसका पति मुंबई में रहकर काम करता है। वह अपने तीन बच्चों के साथ पिछले कई साल से मायके में ही रहती थी। 11 वर्षीय बेटी ने बताया कि रात में सभी लोग खाना खाकर सो गए थे। सुबह 6.00 के करीब नींद खुलने पर वह कमरे में गई तो वहां मां खून से लथपथ हाल में मृत पड़ी मिली। उसका यह भी कहना है कि कपड़े अस्त व्यस्त हाल में थे। सूचना पर पुलिस पहुंच गई और फिर फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया। एसीपी हंडिया सुनील कुमार सिंह का कहना है कि महिला के अपने भाइयों से रिश्ते ठीक नहीं थे। जमीन को लेकर भी कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर जांच पड़ताल की जा रही है। उधर, पूछताछ के लिए पुलिस ने महिला के पिता और उसके भाई को भी हिरासत में लिया है।

## होली के दो दिन में बिक गई आठ करोड़ की शराब

प्रयागराज। होली के दो दिनों आबकारी विभाग की जमकर कमाई कराई। 13 और 14 मार्च के दो दिनों में ही आठ करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई। हालात यह थे कि 13 मार्च की शाम को बाजार में रेगुलर ब्रांड खत्म हो गए और 14 मार्च की शाम जब दुकानें खुली तो लोगों को दुकानदारों के बताए ब्रांड से ही संतोष करना पड़ा। होली के अवसर पर जाम छलकाने का

दौर भी जमकर चलता है। होलिका दहन के दिन ही शहर की हर दुकान पर खरीदारों की कतार लगी थी। स्थिति यह रही कि जिसे एक पव्वा चाहिए था वो भी दो से तीन बोतल लेकर दुकानों से निकला। 14 की शाम पांच बजे जब दुकानें खुलीं तो नियमित ब्रांड गायब थे। दो दिनों तक गोदाम में अवकाश के कारण 15 मार्च की दोपहर बाद जब दुकानें खुली तो आधिकांश में शराब थी ही नहीं। बाजार में पव्वे पर 10 रुपये, अद्धी पर 40 रुपये और पूरी बोतल पर 40 से 50 रुपये तक ओवर चार्जिंग की गई, लेकिन इसके बावजूद कोई फर्क नहीं पड़ा। अफसरों का कहना है कि वास्तव में कितने की बिक्री हुई, यह स्थिति आने वाले दिनों में स्पष्ट होगी, लेकिन मोटे तौर पर साढ़े सात से आठ करोड़ के बीच में दो दिनों में बिक्री हुई है। जबकि सामान्य दिनों में दो दिनों में चाढ़े चार से पांच करोड़ रुपये की शराब की बिक्री होती है। अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के लिए व ओवर चार्जिंग रोकने के लिए आबकारी विभाग ने 11 टीमें बनाई थीं। इसके बावजूद ओवर दुकानों पर मनमानें दाम लिए गए।

## रंग बरसे भीगे चुनरवाली... गीत पर झूमे श्रोता

प्रयागराज। भारत विकास परिषद की ओर से शुक्रवार को ज्वाला देवी सरस्वती मंदिर इंटर कॉलेज, सिविल लाइंस में होली मिलन समारोह हुआ। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अशोक कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। फनकार ग्रुप के कलाकारों ने खेले मसाने में होली दिगंबर..., होली आई रे कन्हाई..., रेलिया बैरन पिया को लिए जाय रे... जैसे सदाबहार गीत प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी। न्यायमूर्ति ने होली गीत रंग बरसे भीगे चुनरवाली... प्रस्तुत कर होली की शुभकामना दी। इस मौके पर पत्रकार स्नेह मधुर और विद्याकांत मिश्र को सम्मानित किया गया।

## प्राचार्य के 50 पद खाली, जल्द ही भर्ती शुरू करने की तैयारी

प्रयागराज। प्रदेश के सहायता प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों में प्राचार्य के तकरीबन 50 पद रिक्त पड़े हैं। पांच साल से किसी नई भर्ती का विज्ञापन जारी नहीं किया गया है। ऐसे में कई महाविद्यालय कार्यवाहक प्राचार्यों के भरोसे चल रहे हैं।

प्रदेश के सहायता प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों में प्राचार्य के तकरीबन 50 पद रिक्त पड़े हैं। पांच साल से किसी नई भर्ती का विज्ञापन जारी नहीं किया गया है। ऐसे में कई महाविद्यालय कार्यवाहक प्राचार्यों के भरोसे चल रहे हैं। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग रिक्त पदों पर भर्ती जल्द शुरू करने की तैयारी में है और इसके लिए उच्च शिक्षा निदेशालय से रिक्त पदों का विवरण मांगा गया है।

इससे पूर्व वर्ष 2020 में उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग ने प्राचार्य के 290 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था, जिसका परिणाम वर्ष 2021 में जारी किया गया था। हालांकि, प्रबंधन और प्राचार्य के बीच विवाद के कारण तकरीबन 45 महाविद्यालयों में नवनियुक्त प्राचार्य इस्तीफा देकर अपने पूर्व तैनाती वाले संस्थान में लौट गए। विवाद के कई मामले उच्च शिक्षा निदेशालय तक भी पहुंचे।

कई ऐसे मामले भी सामने आए, जहां प्रबंधन चयनित अभ्यर्थियों को प्राचार्य पद पर ज्वाइन कराने को तैयार नहीं था। ऐसे में उच्च शिक्षा निदेशालय को सीधे हस्तक्षेप करना पड़ा और इसके बाद अभ्यर्थियों को प्राचार्य के पद पर कार्यभार ग्रहण कराया गया। इसके बाद भी तकरीबन 45 प्राचार्य अपना पद छोड़कर चले गए और संबंधित महाविद्यालयों का संचालन अब कार्यवाहक प्राचार्यों के भरोसे है। इस बीच आधा दर्जन प्राचार्य सेवानिवृत्त हो गए हैं। ऐसे में रिक्त पदों की संख्या 50 से ऊपर पहुंच गई है। शिक्षा सेवा चयन आयोग ने कुछ दिनों पहले उच्च शिक्षा निदेशालय के अफसरों के साथ बैठक कर प्राचार्य के रिक्त पदों का अधियाचन मांगा था, ताकि इन पदों पर नई भर्ती की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जा सके। हालांकि, निदेशालय की ओर से अब तक अधियाचन उपलब्ध नहीं कराया गया है।

उच्च शिक्षा निदेशालय के सूत्रों का कहना है कि रिक्त पदों का विवरण उपलब्ध है लेकिन अधियाचन किस प्रारूप में भेजना है, यह अभी तय नहीं है। इस बारे में शिक्षा सेवा चयन आयोग के अफसरों को अवगत करा दिया गया है। आयोग से अधियाचन के लिए नया प्रारूप मांगा गया है। प्रारूप मिलते ही आयोग को रिक्त पदों का विवरण भेज दिया जाएगा।

## क्रूर कैद खराब कर देती है दिमाग, सजा इतनी हो कि सुधार की संभावनाएं बची रहे

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को मिली उम्रकैद कर सजा को 15 साल की सजा में

तब्दील कर दिया। कोर्ट ने कहा कि क्रूर कैद व्यक्ति के दिमाग को खराब कर देती है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को मिली उम्रकैद कर सजा को 15 साल की सजा में तब्दील कर दिया। कोर्ट ने कहा कि क्रूर कैद व्यक्ति के दिमाग को खराब कर देती है। देश में न्यायिक प्रवृत्ति सुधार और सजा के बीच संतुलन बनाने की ओर रही है। सजा की मात्रा का निर्धारण करते समय, अदालत को को ध्यान में रखना चाहिए।

सजा इतनी कठोर भी नही होनी चाहिए कि व्यक्ति का दिमाग खराब हो जाए और उसमें सुधार की संभावना ही खत्म हो जाए। न ही सजा इतनी कम हो की सजा मजाक बन जाए। यह फैसला न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी की अदालत ने हर प्रसाद की ओर से उम्रकैद की सजा के खिलाफ दाखिल अपील को आशिंक रूप से स्वीकार करते हुए सुनाया है।

मामला बरेली के बिथरी चौनपुर थाना क्षेत्र का है। 2012 में हरप्रसाद के खिलाफ सात वर्षीय बेटी के पिता ने दुष्कर्म की एफआईआर दर्ज कराई थी। बताया कि उसकी बेटी शाम साढ़े पांच बजे से गायब थी। रात में रोते हुए घर पहुंची बच्ची ने मां को आपबीती सुनाई। बताया कि आरोपी ने उसे खेत में खींच कर दुष्कर्म किया। पुलिस ने विवेचना के बाद आरोप पत्र दाखिल किया। इस पर चले ट्रायल के बाद 2014 में बरेली की जिला व सत्र अदालत ने उसे उम्रकैद व 15000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ दोषी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

अपीलार्थी के वकील ने दलील दी कि वह सजा पर नहीं सजा की मात्रा पर सवाल उठाना चाहता है। अपीलार्थी का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। मामले में ऐसी कोई गंभीर परिस्थिति मौजूद नहीं है कि उसे आजीवन कारावास की सजा दी जाए। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला भी दिया। कहा कि देश का दांडिक न्याय विधिशास्त्र प्रतिशोधात्मक नहीं है बल्कि सुधारात्मक है। लिहाजा, आपराधिक न्याय प्रणाली में अंतर्निहित सुधारात्मक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए अनुचित कठोरता से भी बचा जाना चाहिए। कोट ने अपील आशिंक रूप से स्वीकार कर ली। दोषसिद्धि को कायम रखते हुए उम्रकैद की सजा को 15 वर्ष की अवधि के कारावास में तब्दील कर दिया।

## हाईकोर्ट में मनमाफिक मुकदमा लगाने के लिए बदली जा रही थीं बेंच आईडी, मुकदमों की लिस्टिंग में हेराफेरी उजागर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुकदमों की लिस्टिंग में हैरतअंगेज हेराफेरी सामने आई है। महानिबंधक ने कोर्ट में पेश जांच रिपोर्ट में कहा है कि मनमाफिक मुकदमा सूचीबद्ध कराने के लिए कुछ लोग सर्वर के डाटाबेस में बेंच आईडी बदल देते थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुकदमों की लिस्टिंग में हैरतअंगेज हेराफेरी सामने आई है। महानिबंधक ने कोर्ट में पेश जांच रिपोर्ट में कहा है कि मनमाफिक मुकदमा सूचीबद्ध कराने के लिए कुछ लोग सर्वर के डाटाबेस में बेंच आईडी बदल देते थे। इससे उन अदालतों में मुकदमे सूचीबद्ध हो जाते थे, जिन्हें इनको सुनने का अधिकार ही नहीं था। महानिबंधक की मांग पर कोर्ट ने दोषियों पर कार्रवाई के लिए 24 अप्रैल तक का वक्त

दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान की अदालत ने गाजियाबाद के याची नरेंद्र चंचल जैन व अन्य की याचिका पर यह आदेश दिया। हाईकोर्ट ने सात मार्च को सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश के आदेश के बिना बेंच आईडी में बदलाव को प्रथम दृष्टया न्यायिक कार्रवाई में हस्तक्षेप करार दिया था। कोर्ट ने महानिबंधक को स्वयं जांचकर गड़बड़ी की रिपोर्ट पेश करने को कहा था। बुधवार को महानिबंधक राजीव भारती ने कोर्ट को रिपोर्ट सौंपी। बताया कि सर्वर पर कुछ लोग अनधिकृत रूप से अदालतों की आईडी बदल रहे थे। इससे ऐसी अदालतों में मुकदमे चले गए, जिन्हें केस सुनने का अधिकार नहीं था। हाईकोर्ट ने कहा कि कोर्ट के डाटा से छेड़खानी बेहद गंभीर अपराध है। महानिबंधक ने दोषियों पर कार्रवाई करने की अदालत से मोहलत मांगी। इसे मंजूर करते हुए कोर्ट ने 24 अप्रैल को कार्रवाई रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। कोर्ट अगली सुनवाई चौंबर में करेगा।

सात मार्च को सामने आया था मामलाः हाईकोर्ट में आवेदनों की लिस्टिंग में गड़बड़ी का प्रकरण सात मार्च को न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान की बेंच में ही सामने आया था। उन्होंने पाया कि नरेंद्र चंचल जैन एवं अन्य का प्रकरण उनके क्षेत्राधिकार में है, लेकिन इसकी लिस्टिंग किसी और के आदेश से हुई थी। इस पर बेंच सेक्रेटरी ने कोर्ट को बताया था कि ऐसे कई मामले देखने में आ रहे हैं कि मुकदमे की लिस्टिंग का आवेदन उन बेंच को भेजा जा रहा है, जिन्हें सुनवाई का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने महानिबंधक को स्वयं जांच करके 12 मार्च तक रिपोर्ट देने का आदेश दिया था।

## किन्नरों ने धूमधाम के साथ खेली फूलों की होली

प्रयागराज। बैरहना चौराहे पर किन्नर समाज ने धूमधाम के साथ होली का त्योहार मनाया। अखाड़े की महामंडलेश्वर कौशल्यानंद गिरि टीना मां की अगुवाई में दर्जनों किन्नरों ने अपने अनूठे अंदाज के साथ एक–दूसरे को रंग लगाया और एक दूसरे पर फूलों की पंखुड़ियों की बौछार की। चौराहे से गुजरने वालों लोगों को तालियां बजाकर रोका गया। हर किसी को अबीर–गुलाल लगाया। होली गीत गाते हुए रंगों की बौछार की गई। इस दौरान किन्नर नृत्य भी करते रहे।

## सभी जिला अदालतों में बेल आर्डर मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने का निर्देश

प्रयागराज। प्रयागराज इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश की सभी जिला अदालतों में एनएसटीईटी सिस्टम एवं बीओएमबीएस (बेल आर्डर मैनेजमेंट सिस्टम) लागू करने का निर्देश दिया है। इस सिस्टम के लागू होने से भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता की धारा 223 के अंतर्गत पोर्टल के जरिए नोटिस जारी हो सकेंगे। और एफआर (फाइनल रिपोर्ट) को हाईकोर्ट की सीपीसी की मदद से प्राप्त किया जा सकेगा। साथ ही पीठासीन अधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षरयुक्त जमानत आदेश जेल पोर्टल पर मिल सकेंगे।

अभी गाजियाबाद शामली सहित कुछ जिला अदालतों में ही सिस्टम काम कर रहा है। कोर्ट ने सरकार को प्रदेश की सभी अदालतों में लागू करने का निर्देश दिया है। साथ ही कोर्ट ने न्यायिक अधिकारियों सहित स्टाफ व अधिवक्ताओं को प्रक्षिशित करने का प्रोग्राम आयोजित करने का भी आदेश दिया है। जिला अदालतों में तकनीकी योग्य स्टाफ में बढ़ोतरी करने को कहा है। हालांकि मुख्य सचिव ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार अगले एक महीने में स्टाफ बढ़ाने की मांग पर निर्णय ले लेगी।

याचिका की अगली सुनवाई 16 अप्रैल को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने सचिन की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट के पिछले आदेश पर प्रदेश के मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव न्याय, डीडीजी–एनआईसी, एडीजी टेक्निकल सर्विस उप्र, डीजी अभियोजन, डीजी कारागार, कुछ जिला जज व पुलिस अधिकारी वीडियो कान्फ्रेंसिंग व महानिबंधक सहित आधे दर्जन हाईकोर्ट के अधिकारी कोर्ट में हाजिर हुए। सभी ने कार्य प्रगति की जानकारी दी। कोर्ट ने अगली तिथि को भी इन सभी अधिकारियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग व व्यक्तिगत रूप से हाजिर रहने का आदेश दिया है। साथ ही कृत कार्रवाई की जानकारी मांगी है। न्यायिक प्रशिक्षण एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट, एनआईसी, कारागार, अभियोजन आदि विभागों के प्रमुखों ने अपनी कार्यवाही की जानकारी दी। कहा कि आने लाइन व ऑफलाइन प्रक्षिशित किया जा रहा है। जेल अधिकारियों को भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। कोर्ट ने एनआईसी को इलेक्ट्रॉनिक रिलीज आर्डर का फार्मेट तैयार करने का निर्देश दिया है ताकि डिजिटल हस्ताक्षर युक्त आदेश का इस्तेमाल किया जा सके। कोर्ट ने डीजी कारागार को कहा है कि सभी जेल अधीक्षकों को जेल मेल बाक्स को बीप मोड में ऐक्टिवेट रखने का निर्देश जारी करें। कोर्ट ने एडीजी टेक्निकल सर्विस से कहा कि इलेक्ट्रॉनिक सम्मन रजिस्टर के बाबत जानकारी दे।

## बीएचयू कार्यकारिणी के सदस्यों की नियुक्ति को अंतिम अवसर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी की कार्यकारिणी के सदस्यों की नियुक्ति मामले में केंद्र सरकार को निर्णय लेने का अंतिम अवसर दिया है। इससे पहले केंद्र सरकार के अधिवक्ता ने कहा था कि एक हफ्ते में निर्णय ले लिया जाएगा। लेकिन दो तिथियां बीतने और समय मांगने के अलावा निर्णय की जानकारी नहीं दी गई और व्यक्तिगत कारणों से अधिवक्ता ने फिर सुनवाई टलवा दी। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताई और अगली सुनवाई की तिथि 16 अप्रैल नियत की है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की खंडपीठ ने हरिकेश बहादुर सिंह की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याची का कहना है कि कार्यकारिणी परिषद का गठन न होने से कुलपति अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर मनमानी कर रहे हैं। इसलिए कार्यकारिणी परिषद का गठन किया जाय।

## सहायक चकबंदी अधिकारी जौनपुर से रिपोर्ट तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सहायक चकबंदी अधिकारी तरहटी जौनपुर से रिपोर्ट मांगी है कि धारा 340 दंड प्रक्रिया संहिता की 16 दिसंबर 2023 को दाखिल अर्जी अभी तक क्यों तय नहीं की गई। याचिका की अगली सुनवाई 25 मार्च को होगी। कोर्ट ने निबंधक अनुपालन को सहायक चकबंदी अधिकारी की रिपोर्ट के साथ केस पेश करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने भगवान शिवजी महाराज मंदिर के प्रबंधक की तरफ से दाखिल याचिका पर दिया है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख के बेटे व पूर्व डीजीपी के भतीजे निशांत यादव पर आरोप है कि मंदिर की जमीन को फर्जी तरीके से अपने नाम करा लिया। जिस पर दाखिल अर्जी पर सहायक चकबंदी अधिकारी फैसला नहीं कर रहे हैं।

## महादेवी की रचनाओं में समाहित थे त्योहार : प्रो. हेरंब

प्रयागराज। पारंपरिक रूप से महादेवी वर्मा के आवास पर होलिका दहन के अवसर पर मनाए जाने वाले उनके जन्मदिन का उल्लास शुक्रवार को दिखाई दिया। जब साहित्य सहकार न्यास की ओर से उनके अशोक नगर स्थित आवास पर होलिकोत्सव के दौरान रानी पांडेय ने होलिका दहन करने के बाद प्रो. हेरंब चतुर्वेदी, प्रो. अनीता गोपेश, प्रख्यात निर्माता–निर्देशक तिग्मांशु धुलिया व नवगीतकार यश मालवीय सहित अन्य उपस्थित लोगों को राई नमक लगाकर उनकी नजर उतारी। उसके बाद हर कोई महादेवी के जीवन संस्मरण को सुनाकर एक–दूसरे को रंगों के त्योहार की बधाई दी। प्रो. हेरंब चतुर्वेदी ने कहा महादेवी का व्यक्तित्व होली के रंगों की रंगारंग था। वे उत्सव जीवी थीं, इसलिए उनकी कविताओं में दीवाली, होली, दशहरा व रक्षाबंधन सहित कई त्योहार समाहित रहता था। प्रो. अनीता गोपेश ने कहा कि हम उन सौभाग्यशाली लोगों में हैं, जिन्होंने महादेवी के हाथों की बनी गुझिया व पापड़ खाए हैं। तिग्मांशु धुलिया ने कहा कि मैं तो यही आकाशपुरी में रहता था और जब कभी घर में सत्यनारायण कथा होती थी तो केले का पत्ता महादेवी के यहां से लेकर आता था। तब उनको देखकर कौतुहल होता था कि वे कितनी बड़ी कवयित्री हैं। संचालन करते हुए यश मालवीय ने याद किया कि कैसे जब दूल्हा बनकर पहुंचे थे तो किस तरह से उन्होंने माथे पर तिलक किया और सर पर हाथ रखा था। तब ऐसा लगा मानो पूरी सदी का हाथ सिर पर है।

## संक्षिप्त समाचार

### योगिनी नीलम ने भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया

लखनऊ, (संवाददाता)। रंगों का त्योहार होली, अंसल गोल्फ सिटी के विवियाना ग्रीन्स में भव्य आयोजन जश्न–ए–रंग 2025 के दौरान बेहद उत्साह और खुशी के साथ मनाया गया। शाम जीवंत रंगों, मधुर संगीत, ऊर्जावान नृत्य और उत्सव के व्यंजनों का एक आदर्श मिश्रण थी, जिसने सदस्यों और मेहमानों को एक अविस्मरणीय रात के लिए एक साथ ला खड़ा किया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष हरीश वरंजनी, सचिव अमन तलवार, उपाध्यक्ष सुनील बंसल, कोषाध्यक्ष अमित टंडन, अतुल अग्रवाल, आदर्श गर्ग और कई अन्य लोगों की सक्रिय भागीदारी रही, जिन्होंने उत्सव को वास्तव में शानदार बनाने में योगदान दिया। समन्वयक सक्षम और कनिका, विक्की और मनीषा, रवि और देविना, तथा पुनीत और राधिका के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पारंपरिक होली के व्यंजन जैसे भव्य गुझिया, रोमांचक वाटर बैलून गेम और जीवंत डांस फ्लोर का आनंद लिया गया। मेहमानों ने शानदार भोजन और प्रीमियम ड्रिंक्स का लुत्फ उठाया, जिससे रात और भी ज्यादा मजेदार हो गई। उत्साह को और बढ़ाते हुए, कई पुरस्कार जीते गए, जिससे उपस्थित लोगों में प्रतिस्पर्धा की भावना बनी रही। एक विशेष आकर्षण परिवारों के लिए समावेशी माहौल था, जिसमें सदस्यों के बच्चों के लिए निःशुल्क प्रवेश और अतिथि परिवारों के लिए विशेष व्यवस्था थी।

### परीक्षा से पहले छात्रा ने किया सुसाइड, सुबह मां को मिली लाश

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में एक इंटर की छात्रा ने परीक्षा से पहले आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान रसूलपुर गांव निवासी शगुन चौरसिया (18) के रूप में हुई है। वह सरोजनी नगर स्थित एक निजी बालिका डिग्री कॉलेज में पढ़ती थी। शुक्रवार रात होली मिलन के बाद शगुन ने परिवार को बताया कि उसे सुबह हिंदी का पेपर है। वह पढ़ाई करने के लिए छत के कमरे में चली गई। शनिवार सुबह देर तक नहीं उठने पर मां सुहागवती उसे जगाने गईं। कई बार दरवाजा खटखटाने के बाद भी जब कोई जवाब नहीं मिला, तो खिड़की से देखा। अंदर शगुन दुपट्टे के सहारे पंखे से लटकी हुई थी। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतका का मोबाइल फोन भी जांच के लिए कब्जे में ले लिया गया है। बंथरा प्रभारी निरीक्षक राम सिंह ने बताया कि आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। मामले की गहन जांच की जा रही है।

### लखनऊ के रंग में रंगे ऋषभ पंत,रवि विश्नोई ने ढोल बजाया, जहीर खान ने जमकर डांस किया

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ सुपर जॉइंट्स (एलएसजी) के खिलाड़ियों ने इकाना स्टेडियम में लगे अपने कैंप में जमकर होली खेली। एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत और उप कप्तान निकोलस पूरन ने जमकर होली खेली। पूरन ने ढोल बजाया तो उसकी धुन पर मेंटॉर जहीर खान ने जमकर डांस किया। यह देखते ही मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कलर गन उठा ली और सबको दौड़ा लिया। एलएसजी टीम के खिलाड़ी होली खेलें रघुवीरा अवध में सहित अन्य बॉलीवुड गानों पर झूमते रहे। कप्तान ऋषभ पंत खिलाड़ियों पर गुलाल और अबीर बरसाते रहे। इस दौरान मुख्य कोच जस्टिन लैंगर गुलाल गन लेकर खिलाड़ियों पर गुलाल डालते रहे। स्पिनर रवि विश्नोई सबसे अलग अंदाज में दिखे। वह होली खेलते हुए ढोल बजाकर झूमते रहे। इस दौरान खिलाड़ियों ने गले मिलकर एक–दूसरे को बधाई दी। एलएसजी की तरफ से जारी वीडियो में ऋषभ पंत और निकोलस पूरन एक साथ हैप्पी होली बोल रहे हैं। टीम के सहायक कोच लांस क्लूजनर होली महोत्सव में फिल्मी गानों पर देर तक थिरकते रहे। मेंटॉर जहीर खान और सहायक कोच विजय दहिया ने भी पिचकारी से रंगों की बौछार की और खूब गुलाल उड़ाया। टीम के कप्तान ऋषभ पंत और रवि बिश्नोई ने होली की मस्ती को बढ़ा दिया। टीम के सभी साथियों को पकड़कर जमकर रंग और गुलाल लगाया। आयुष बडोनी, अर्शीन कुलकर्णी, हिम्मत सिंह, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, आर्यन जुयाल, दिग्वेश सिंह, युवराज चौधरी समेत सभी खिलाड़ी रंग में डूबे नजर आए। इसके साथ ही लखनऊ सुपर जॉइन्ट्स के खिलाड़ियों ने लजीज पकवानों के साथ गुजिया, जलेबी का भी स्वाद लिया। टीम के सीओओ विनय चोपड़ा ने भी सभी को होली की शुभकामनाएं दीं।

### होली पर राजधानी में घायल हुए 135 लोग, लाज के दौरान 5 ने तोड़ा दम

लखनऊ, (संवाददाता)। होली वाले दिन शहर के अलग–अलग इलाकों में कई दुर्घटनाएं हुईं। इनमें 135 लोग घायल हो गए। लगभग सभी को इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया। गंभीर रूप से घायल 5 लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 86 मरीजों को उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। इसमें 37 की मरीजों की आंखों में चोट आई है। अधिकांश लोग वाहन की तेज रफ्तार, शराब के प्रभाव में ड्राइविंग के कारण घायल हुए थे। प्राथमिक उपचार के बाद 86 मरीजों को घर भेज दिया गया। हालांकि, 49 मरीजों को गंभीर चोटें आने के कारण भर्ती किया गया है। इनमें से कुछ मरीजों की हालत नाजुक थी, जिनका इलाज ट्रॉमा सेंटर में किया जा रहा है। 37 मरीजों ने आंखों में चोट की शिकायत की, जो कि होली के दौरान रंग खेलते वक्त हुई। रंगों से होने वाली एलर्जी और आंखों में गंभीर चोटें सामान्य हो गईं।

### मुंबई के युवक ने मां–बेटी को भेजा अश्लील वीडियो, एमपी वाले ने दिया रेप की धमकी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में रहने वाली मां–बेटी को मुंबई और मध्यप्रदेश में रहने वाले युवक अश्लील मैसेज भेज रहे हैं। यही नहीं अकेले में न मिलने पर जान से मारने की धमकी के साथ बेटी के साथ रेप करने की धमकी दे रहे हैं। उनका कहना है कि जिस तरह निर्भया कांड और कलकत्ता का डॉक्टर मर्डर केस हुआ, उससे भी खतरनाक कांड को अंजाम देंगे। पुलिस पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। आलमबाग निवासी महिला का आरोप है कि उसके मोबाइल पर अश्लील और धमकी भरे मैसेज आ रहे हैं। जांच पड़ताल में पता चला कि मैसेज मध्यप्रदेश के खैरी तहसील खैरलंजी निवासी मयंक अग्रवाल और मुंबई महलकारी चॉल निवासी नितिन तिवारी, रजनीकांत और एक अन्य युवक वॉट्सऐप पर गंदे–गंदे मैसेज भेज रहे हैं।

# शहर समता विचार मंच, शिलोंग इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

बिजनौर। शहर समता विचार मंच शिलोंग इकाई, मेघालय की महिला काव्य गोष्ठी होली के उपलक्ष्य में होली मिलन समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ अनिता पंडा श्अन्वीष की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ अनिता पंडा, बेंगलुरु से, और विशिष्ट अतिथि नवीन राणा, गुरुग्राम से जुड़े। यह काव्य गोष्ठी 14 मार्च, 2025 को शुक्रवार को गूगल मीट पर ऑनलाइन चली। काव्यगोष्ठी का कुशल संचालन और संयोजन नीता शर्मा ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ अनिता पंडा, गीता लिंबू, नीता शर्मा, सुनीता भट्ट गोजा, नवीन कुमार राणा, मल्लिका दे विष्णु, अनुपमा प्रधान और शबरी सरकार ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये।

अतिथियों ने भी अपनी सुंदर रचनाओं और सार्थक प्रतिक्रिया द्वारा सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि और अध्यक्षता कर रही डॉ अनिता पंडा ने सभी कलमकारों की रचनाओं पर प्रतिक्रिया देकर सबको प्रोत्साहित किया और अपनी कविता का भी पाठ किया। अंत में नीता शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन देकर काव्यगोष्ठी का समापन किया।

# दाऊजी हुरंगा में अबीर गुलाल रंग और फूल से खेली होली

## हुरियारिनों ने बरसाए प्रेम पगे कोड़े

मथुरा। योगिराज श्री कृष्ण के बड़े भ्राता बलराम की नगरी विश्व प्रसिद्ध हुरंगा में अबीर गुलाल,टेसू के रंग और पुष्प से होली खेलते हुए हुरियारिनों ने गोपों के कपड़े फाड़े और कोड़े बनाकर जमकर उनके ऊपर बरसाए। इससे पहले मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं ने गुलाल बरसते हुए जमकर नृत्य किया।

शनिवार को दाऊजी के हुरंगा के अवसर पर श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा और दाऊजी मंदिर के पट खुलते ही दाऊजी ओर रेवती मैया के जयकारे चारों ओर गूंज उठे। दाऊजी महाराज को होली खेलने का निमंत्रण मंदिर के सेवायतों ने दिया।

मंदिर प्रांगण में हुरंगा को देखने के लिए स्टेडियम के रूप में श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था की गई। हुरंगा में मंदिर की छतों से पानी,अबीर गुलाल, टेसू के रंग और पुष्पों से वर्षा की गई। मंदिर प्रांगण में हर कोई होली के प्राकृतिक रंग से सराबोर हो गया मंदिर परिसर के प्रांगण केसरिया रंग हिलोरे मारता नजर आया।ब्रज के रसिया गानों के बीच गोपीकाओं ने गोप के कपड़े फाड़कर कोड़े बनाए और जमकर कोड़े बरसाते हुए होली खेली और नृत्य किया वहीं गोप बने हुरियारों ने भी अपनी बाल्टी रंग भरकर हुरियारिनों के ऊपर उड़ेली। प्रेम पगे कोड़े की मार और प्राकृतिक रंगों की होली देख श्रद्धालु आनंदित हो उठे। इस हुरंगे के अलौकिक दृश्य को एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ, डीआईजी शैलेश कुमार पांडे जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह ने अपने फोन में कैद किया।

हुरंगे की समाप्ति पर गुलबीर गोपीकाओं ने अपनी बाल्टी में रंग भरकर अपने घर चलते हुए राहगीर और श्रद्धालुओं पर जमकर कोड़े बरसाए।

हुरंगा में एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ, डीआईजी शैलेश कुमार पांडे, जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह, उपजिलाधिकारी आदेश कुमार भारी पुलिस बल और 5 ड्रोन कैमरा उड़ाकर हुरंगा की व्यवस्था में जुटे रहे।

# होली के दिन प्रदेश में सड़क हादसों में 9 लोगों की मौत

- 2 लोगों की डूबने से गई जान, खुशी मातम में तब्दील
- मुजफ्फरनगर ,भदोही ,सोनभद्र,महराजगंज और बाराबंकी में दो–दो और सुल्तानपुर में एक व्यक्ति की हुई मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। देश में शुक्रवार को होली का त्योहार मनाया गया। इस दौरान उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर हादसे हुए जिसके चलते कई परिवारों में होली का जश्न मातम में बदल गया। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को सड़क दुर्घटनाओं में नौ लोगों की मौत हो गई और दो लड़कों की डूबने से मौत हो गई।मुजफ्फरनगर में एक कार के पेड़ से टकराने के बाद उसमें आग लग गई, जिससे दो लोगों की जलकर मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।सीओ देवव्रत बाजपेयी ने मृतकों की पहचान 35 वर्षीय मेनपाल और 30 वर्षीय राजू के रूप में की। घायल को अस्पताल ले जाया गया।भदोही में होली मनाने के बाद ससुराल से घर लौट रहे दो चचेरे भाइयों की बाइक पेड़ से टकराने से मौत हो गई।32 वर्षीय ओमप्रकाश और उनके चचेरे भाई 26 वर्षीय महेंद्र इटहरा गांव से गोपालपुर गांव लौट रहे थे, तभी मणिपुर गांव के पास यह हादसा हुआ। पुलिस के मुताबिक पीड़ित नशे में थे और उन्होंने अपनी तेज रफ्तार बाइक पर नियंत्रण खो दिया।सोनभद्र के सुकृत पुलिस चौकी के पास होली मिलन समारोह में जा रहे दो चचेरे भाइयों की ट्रक से टक्कर हो गई, जिसमें दोनों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। लोहरा निवासी 20 वर्षीय संदीप चौहान और 21 वर्षीयविक्की चौहान की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरे सवार को वाराणसी ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि ट्रक जब्त कर लिया गया है और चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। वही बाराबंकी में टिकैत नगर इलाके में होली मनाने के बाद तैरने के लिए उतरे दो किशोर घाघरा नदी में डूब गए। सर्किल ऑफिसर रत्नेश पांडे के मुताबिक 15 वर्षीय रवि वर्मा और 16 वर्षीय ऋषभ दोपहर करीब 2 बजे मऊ घाट के पास डूब गए। एक गोताखोर ने उन्हें बाहर निकाला और अन्य लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। महाराजगंज में दो दोस्तों 21 वर्षीय विवेक और टिंकू जायसवाल की उस मौत हो गई। उनकी बाइक पिपरदेवरा–महाराजगंज मार्ग पर एक बिजली के खंभे से टकरा गई। सुल्तानपुर में हलियापुर जाने वाली सड़क पर दो बाइकों के बीच टक्कर हो गई। थाना प्रभारी धीरज कुमार ने बताया कि हादसा दोपहर करीब एक बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि चार लोग कथित तौर पर नशे में धुत और गुलाल लगाए मोटरसाइकिल पर सवार थे। चंडीगढ़ से अपने गांव आए 43 वर्षीय सुरेश कुमार रैदास गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में सरकारी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

### औरतों का धीरे आवाज़ से कुरान पढ़ना बेहतर

लखनऊ, (संवाददाता)। रमजान हेल्पलाइन देश में इस किस्म की पहली हेल्पलाइन है। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया के तहत् दारूल निजामिया फरंगी महल में रोज़ेदारों की दीनी और शरअई रहनुमाई के लिए वर्ष 2001 में रमजान हेल्पलाइन कायम की गयी थी जिसकी मकबूलियत खुदा पाक के करम से आज भी बरकरार है। इस हेल्प लाइन से लोग फोन और म.उंपस के जरिए रोजा, नमाज, जकात ऐतिकाफ और दूसरे सवालात मुल्क और बाहर के मुल्कों से भी करते है। इन सवालात के जवाब मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की अध्यक्षता में उलमा का एक पैनल देता है, लोग इन नम्बरों 9415023970, 9335929670, 9415102947, 7007705774, 9140427677 और म.उंपस रू ramzanhelpline2005@gmail.com और वेब साइट, www.farangimahal.in पर सवाल पूछ सकते है।

सवाल : 1 किया घर की नौकरानी को ज़कात की रकम दी जा सकती है?
जवाब : 1 जी हाँ! दी जा सकती है।
सवाल : 2 औरतों का कुरान मजीद को जोर से पढ़ना कैसा है?
जवाब : 2 औरतों का धीरे आवाज़ से कुरान पढ़ना बेहतर है।
सवाल : 3 किया ज़कात जिसको दी जाए उसको बताना जरूरी है?
जवाब : 3 नही उसको बताना जरूरी नही है।
सवाल : 4 किया ऐतिकाफ करने वाला इमामत कर सकता है?
जवाब : 4 जी हाँ! इमामत कर सकता है।
सवाल : 5 नमाज़ में अगर भूल से कोई वाजिब छूट जाए तो किया करें?
जवाब : 5 सजदा सहव कर लें, नमाज़ हो जायेगी।

### खत्म होने वाला है इंतजार, आज बीजेपी जारी करेगी नए जिला अध्यक्षों की सूची

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी 16 मार्च यानी कल जिला अध्यक्षों की लिस्ट जारी करेगी। पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी नाम का ऐलान करेंगे। 87 जिला अध्यक्षों के नाम की घोषणा होगी। इस बार पार्टी ने दलित, पिछड़ों और महिलाओं की भागीदारी के लिए नियमों को शिथिल की है। पार्टी सूत्रों की मानें तो 25 मार्च तक यूपी को प्रदेश का नया प्रदेश अध्यक्ष भी मिल सकता है। बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को इसकी जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी सूत्रों की मानें तो इसके लिए सभी जिला चुनाव अधिकारी, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, पर्यवेक्षक और मंत्री अपने आवंटित जिलों में 15 की रात या फिर 16 की सुबह पहुंचेंगे। जिलाध्यक्षों का ऐलान एक बैठक में किया जाएगा, इसमें जिला, क्षेत्र और प्रदेश के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। अभी करीब 85 से 87 के बीच जिलाध्यक्षों की घोषणा की जाएगी। बीजेपी ने दलितों, पिछड़ों और महिलाओं को भागीदारी देने के लिए नियमों को भी थोड़ा शिथिल भी किया है। इस लिस्ट में माना जा रहा है कि कई चौकाने वाले नाम सामने आ सकते हैं। बुधवार शाम आयोजित बैठक में प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के अलावा प्रदेश के सह चुनाव प्रेक्षक संजय भाटिया और संजीव चौरसिया शामिल रहे। गौरतलब है कि जिला अध्यक्षों की लिस्ट 30 दिसंबर तक होनी थी, लेकिन नहीं हो सकी है। इसको लेकर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं की लोगों में आपसी खींचतान और सामाजिक समीकरण ठीक से नहीं बैठ रहा है। जिससे कई जिलों में अध्यक्ष को लेकर आम सहमति नहीं बन पा रही है, लेकिन नई लिस्ट में दलितों और महिलाओं की हिस्सेदारी पर सहमति बन गई है। जल्द ही नाम का ऐलान होगा।

### होली के दूसरे दिन गोरखपुर में सीएम योगी ने लगाया जनता दरबार

लखनऊ, (संवाददाता)। रंगों के पर्व होली की पूर्व संध्या पर राजभवन में गणमान्य लोगों का तांता लगा रहा। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान और महापौर लखनऊ सुषमा खर्कवाल समेत कई जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और विश्वविद्यालय के कुलपतियों ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात कर उन्हें होली पर्व की बधाई दी। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी को उत्साह, ऊर्जा और रंगों से भरपूर होली की बधाई देते हुए कहा कि फूलों की होली सबसे अच्छी होती है, सभी को फूलों एवं प्राकृतिक रंगों से ही होली खेलनी चाहिए। उन्होंने कामना की कि सभी का जीवन होली के रंगों की तरह उल्लासपूर्ण, ऊर्जा से भरपूर और सकारात्मकता से ओत–प्रोत रहे। यह ऊर्जा और रंग केवल उत्सव तक सीमित न रहकर हमारे कार्यों में भी दिखाई देने चाहिए। उन्होंने होली के संदेश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व बुरे विचारों को त्यागने और अच्छे विचारों को अपनाने का प्रतीक है। उन्होंने भक्त प्रह्लाद का उदाहरण देते हुए बताया कि अंततः अच्छे विचारों की ही जीत होती है। उन्होंने सभी को परोपकार और सद्भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी।

## सम्पादकीय.....

# नफरती मंसूबे

अलगाववादियों के एजेंडे को लेकर पश्चिमी देशों की सरकारों के प्रश्रय से मुखर हुए कुछ अराजक तत्वों द्वारा अमेरिका में कैलिफोर्निया स्थित स्वामी नारायण मंदिर पर हमला करना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। वहां आपत्तिजनक संदेश लिखकर मंदिर को क्षति पहुंचायी गई। इससे पहले भी आतंक फैलाने की मंशा से मंदिरों पर हमले होते रहे हैं। जाहिर है ऐसे आपराधिक तत्वों की मंशा आतंक फैलाना ही है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस तरह की कुत्सित कोशिशों की निंदा की है, लेकिन अमेरिकी सरकार द्वारा ऐसे मामलों की अनदेखी और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई न करना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। दरअसल, पृथकतावादी तत्व हिंदुओं के खिलाफ विष वमन करके अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं। भारतीय संस्कृति के अंग–संग रहने वाले समाज को विभाजित करके घृणा का कारोबार करने वाले तत्वों को बेनकाब करने की जरूरत है। विडंबना यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा में सक्रिय ऐसे तत्वों को इन देशों की सरकारों द्वारा अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर प्रश्रय दिया जाता है। सवाल यह उठता है कि जब ऐसी आजादी किसी सभ्य समाज के अहसासों से खिलवाड़ करे और दूसरों की धार्मिक आजादी का अतिक्रमण करने लगे तो क्या उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करनी चाहिए? दरअसल,ये घटनाक्रम इन देशों के दोगले मापदंड उजागर करते हैं। दूसरे देशों में सांप्रदायिक असहिष्णुता और कथित भेदभाव के आंकड़े जारी करके दबाव बनाने वाले तथाकथित सभ्य देश अपने क्रियाकलापों से बेनकाब हो रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में करीब एक दर्जन मंदिरों को अपवित्र करने की कुत्सित कोशिश हुई, लेकिन ऐसे तत्वों के खिलाफ दिखावे के लिये भी कार्रवाई नहीं की गई। किसी हमले की जांच भी नहीं हुई। जबकि प्रत्येक संप्रदाय की धार्मिक आजादी की रक्षा करना अमेरिकी सरकार का नैतिक दायित्व है। आखिर मंदिरों को सुरक्षा क्यों नहीं मुहैया करायी जाती। बीते साल भी कनाडा में हिंदू महासभा के मंदिर में हमला करके बच्चों व महिलाओं तक को पीटा गया था। लेकिन ट्रूडो सरकार खामोश रही। विडंबना यह है कि अमेरिका,ब्रिटेन व कनाडा की सरकारें ऐसे हमलों व मंदिरों को अपवित्र करने की घटनाओं को अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में रखकर आंखें मूंद लेती हैं। लेकिन जब दूसरे देशों में उनके धर्म के लोगों के पूजा स्थलों पर हमले होते हैं तो उसे धार्मिक आजादी व मानवाधिकारों का संकट बताने लगते हैं। निश्चित रूप से ऐसे ही रवैये से भारत के साथ इन देशों के संबंधों में खटास ही आएगी। ऐसे ही अलगाववादियों के कृत्यों व कनाडा सरकार के अलगाववादियों को संरक्षण देने के चलते ही दोनों देशों के संबंध सबसे खराब दौर में पहुंचे हैं। पिछले साल हिंदू महासभा के मंदिर परिसर में मंदिर प्रशासन व भारतीय उच्चायोग द्वारा लगाए गए वीजा शिविर को निशाना बनाया गया था। अभी हाल ही में ब्रिटेन में विदेश मंत्री जयशंकर के काफिले को खालिस्तान समर्थकों ने निशाना बनाया था। इससे पहले दो वर्ष पूर्व भी पृथकतावादियों ने भारतीय उच्चायोग परिसर में घुसकर तिरंगा निकाल दिया था। तब भी भारत सरकार ने ब्रिटेन की सरकार से कड़ा प्रतिवाद किया था। लेकिन हाल ही में विदेशमंत्री के काफिले को निशाना बनाया जाना बताता है कि ब्रिटिश सरकार की उदासीनता से अलगाववादियों के हौसले बुलंद ही हुए हैं। यहां सवाल ब्रिटिश सरकार पर भी उठता है कि वह विदेशी राजनयिकों को सुरक्षा देने में नाकाम है। इसके अलावा भारत सरकार लगातार अलगाववादियों पर अंकुश लगाने को कहती रहती है। हाल ही में ब्रिटिश गृह मंत्रालय की रिपोर्ट में ऐसे अतिवादियों के उभार को ब्रिटिश कानून व्यवस्था के लिये खतरा बताया गया था। लेकिन इसके बावजूद ऐसे मामलों की अनदेखी की जा रही है। निश्चित तौर पर छोटी घटनाओं को नजरअंदाज करने से कालांतर बड़ी हिंसक गतिविधियों को ही प्रश्रय मिलता है। यह भी सवाल उठना स्वाभाविक है कि विदेश मंत्री के सामने नारेबाजी कर रहे ऐसे तत्व सुरक्षा घेरे को तोड़कर कैसे विदेशमंत्री की कार के करीब तक पहुंच गए। घटना से स्पष्ट है कि उच्च स्तर पर सुरक्षा में चूक का मामला है। जिसके लिए लंदन पुलिस की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। निश्चित रूप से पश्चिमी देशों की सरकारों को अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा व गरिमा तय करनी होगी।

# भावप्रवण युवाओं के अंसुअन से होता नरेन्द्र मोदी का जलाभिषेक

इन दिनों पीली शर्ट वाले एक युवा का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। रोते हुए उस युवक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी दिवंगत माता हीराबेन का बड़ा सा स्केच उठा रखा है। यह शुक्रवार की बात है जब मोदी अपने गृह राज्य गुजरात के एक प्रमुख शहर सूरत में रोड शो कर रहे थे। उनका काफिला आगे बढ़ रहा था तभी उनकी नजर में वह 20–22 वर्षीय युवक आया। अपनी मां के प्रति बेहद संवेदनशील माने जाने वाले और मासे–चौमासे वडनगर जाकर विभिन्न अवसरों पर अपनी माताजी के जीवित रहने के दौरान उनके साथ फोटो खिंचवाने वाले मोदी ने तत्काल अपनी कारकेड को रुकवाया। उस मोदी आसक्त युवक ने उनके चित्र को और ऊपर उठाया। चित्र के साथ उस युवक की आंखों में मोटे–मोटे आंसू दिख रहे थे जिन्हें वह अपनी आस्तीन से बार–बार पोंछ रहा था। रुक नहीं रहे थे। भीड़ के बीच से सुरक्षा कर्मचारियों के जरिये उस स्केच को मंगवाया जाता है। उस चित्र को देखकर मोदी भी भाव–विभोर होते दिख रहे हैं। उन्होंने उस पर अपने हस्ताक्षर किये तथा वह स्केच वापस युवक तक पहुंचाया गया। मोदी की इस दरियादिली से वह युवक और भी द्रवित हो गया। उसके आंसुओं की धाराएं और भी अधिक तेज हो गयीं क्योंकि अब उसके हाथों में वह तस्वीर थी जिसे एक महामानव द्वारा न केवल स्पर्श किया गया था वरन उस पर हस्ताक्षर भी किये थे। आखिरकार मोदी के हस्ताक्षर हैं भी तो बेहद नायाब जो बहुत कम लोगों को नसीब होते हैं। पिछले साल जब मई में मोदी ने अमेरिका का दौरा किया था, अलबत्ता तब उनसे तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाईडेन ने उनका आटोग्राफ लेकर साबित किया था कि मोदी के दस्तखत की क्या कीमत है और वे केवल नसीबवानों को ही मिलते हैं। वैसे भी 30 दिसम्बर, 2022 को उनके निधन के बाद मोदीजी की मां से सम्बन्धित ऐसा भावुक प्रसंग अब कहीं जाकर देखने को मिला है क्योंकि उसके बाद मोदी उस घर में गये या नहीं, यह नहीं जान पड़ता। इस पूरे वाकये को गोदी मीडिया कहे जाने वाले न्यूज चौनल द्वारा जिस प्रकार से अतिरिक्त प्रमुखता से प्रसारित किया जा रहा है वह उन सभी लोगों की भी आंखों में आंसू लाने के लिये पर्याप्त है जो देश में युवाओं के साथ–साथ मुख्यधारा की मीडिया की दुर्दशा पर थोड़ा सा भी सोचते हैं। बहरहाल, यदि कोई ऐसा सोचता है कि बेरोजगारी, शिक्षा के गिरते स्तर, रद्द होती परीक्षाओं, प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के होते पेपर लीक, खराब स्वास्थ्य सेवाओं, बढ़ते भ्रष्टाचार, प्रदूषण जैसे कारणों से वह युवा जार–जार आंसू बहा रहा है, तो वह अपनी राजनीतिक समझ को दुरुस्त कर ले। ऐसा सोचना मोदी की लोकप्रियता को काफी कम करके आंकना ही कहलायेगा। यदि कोई यह भी समझता हो कि युवा हाल ही में प्रयागराज के महाकुम्भ में हुई भगदड़ के कारण लोगों की मौतों पर रो रहा है तो वह भी गलत हैय या वह अमेरिका में अवैध प्रवासियों के रूप में रहने वाले भारतीयों को हथकड़ियों–जंजीरों से बांधकर लाये जाने के कारण दुख व अपमान महसूस करके क्रंदन कर रहा है– तो ऐसा भी नहीं है। दरअसल युवा अपने उस आदर्श पुरुष को देखकर भावुक हो गया था जिसके बारे में वह मानता है कि मोदी रोजगार, विकास, कानून–व्यवस्था जैसे सड़े–गले विषयों पर काम करने के लिये नहीं बने हैं। ऐसा निरर्थक काम तो वर्षों पहले जवाहरलाल नेहरू, लालबहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, पीवी नरसिम्हा राव, राजीव गांधी और यहां तक कि डॉ. मनमोहन सिंह जैसे लोग कर चुके हैं। मोदी इन सब कामों में भला समय क्यों जाया करें? उन्हें ईश्वर ने खास मकसद से बेजा है– अब्दुल को टाइट करनेय और ऐसा वे बखूबी कर रहे हैं। बेशक यह युवा उसी गुजरात से है जहां 1973–74 में जयप्रकाश नारायण ने छात्रों–युवाओं को साथ लेकर भ्रष्टाचार के खिलाफ श्नवनिर्माण आंदोलन की शुरुआत की थी। इस असंतोष ने कांग्रेस की चिमनभाई पटेल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिये मजबूर कर दिया था साथ ही गुजरात विधानसभा भंग कर दी गयी थी। यह आंदोलन बिहार में भी फैला जिसके बाद के घटनाक्रम ने भारत की सबसे ताकतवर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को आपातकाल लगाने के लिये मजबूर कर दिया था। अंततरू वे भी सत्ता से बाहर हो गयीं। अब कोई यह भी न सोचे कि मोदी के काफिले के सामने बिलखता वह युवा देश की आजादी तथा भारतीय लोकतंत्र को बचाने के लिये गुजरात के उपरोक्त उल्लिखित आंदोलन से वाकिफ भी होगा। ये सारी बातें उक्त युवा के उस विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम से बाहर के विषय हैं जिसे श्वाट्सएप यूनिवर्सिटीश कहा जाता है। जेपी के समय बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चाहे मुद्दे रहे हों, लेकिन अब आज के इन युवाओं व छात्रों को कुछ लेना–देना नहीं है।

बहुत सम्भव है कि वह भी उन्हीं बेरोजगारों में से एक हो जिनके लिये मोदी ने भरोसा दिलाया था कि उनके जैसे 2 करोड़ लोगों को हर वर्ष पक्की नौकरी दी जायेगी। पिछले बजट में इसी मोदी सरकार ने हर वर्ष देश की 100 अग्रणी कम्पनियों में लाखों युवाओं को अप्रेंटिसशिप के जरिये काम देने का वायदा किया था– यह सब भी उसे याद नहीं होगा। उसे याद है तो केवल मोदी और उनकी माता। देश के युवाओं की प्राथमिकता अब बदल गयी है। अब उसे न अच्छी शिक्षा चाहिये और न ही काम–धंधे की उसे दरकार रह गयी है। 5 किलो प्रति माह का राशन उसके लिये राष्ट्रीय गर्व का विषय है जो हजार वर्ष के बाद दिल्ली की गद्दी पर बैठने वाले किसी हिन्दू राजा की महान अर्थव्यवस्था का प्रतिफल है। बन्द होते स्कूल और महंगी होती शिक्षा उसे विचलित नहीं करती। वह धर्म–राज्य को मजबूती देने के लिये सब कुछ छोड़–छाड़कर सड़कों पर है और किसी भी हद तक जा सकता है। उसके मन में सवाल ही नहीं उठता कि दो–चार साल बीत जाने के बाद वह जीवनयापन के लिये क्या करेगाय न ही उसे इस बात को लेकर जानने की उत्सुकता है कि उसके हाथों में झंडे–डंडे पकड़ाने वालों के बच्चे उसके साथ क्यों नहीं हैं? वे क्यों अच्छी शिक्षा पाने के लिये अच्छे स्कूलों में या सीधे विदेशों में जा रहे हैं? फिर लौटकर सीधे किसी बड़ी कम्पनी में काम करते हैं या फिर सांसद बनते हैं अथवा किसी खेल संगठन का बड़ा ओहदा सम्हालते हैं? आखिर उन्हें क्यों नहीं धर्म–राज्य चाहिये? मोदी ने इन बच्चों की नब्ज पकड़ ली है। वे जानते हैं कि किस तरह से इन्हें बुनियादी मुद्दों से दूर रखा जा सकता है। इसलिये जो लोग शिक्षा, रोजगार सम्बन्धी सवाल उठा रहे हैं अथवा काम मांग रहे हैं उन्हें सुनियोजित प्रणाली एवं निर्धारित प्रक्रिया के जरिये जेलों में भेज दिया जाता है या सड़कों पर कूटा जाता हैं– फिर चाहे ये जनप्रतिनिधि हों या फिर छात्र व युवा। बार–बार रद्द होती परीक्षाओं और टलती हुई नौकरियों के बारे में भी कोई सवाल नहीं किया जा सकता। वैसे सही बात तो यह है कि युवाओं की भी इन मुद्दों में कोई रुचि नहीं रह गयी है।

# सिनेमा दृश्य श्रव्य माध्यम है

**हृदयनारायण दीक्षित**

सिनेमा दृश्य श्रव्य माध्यम है। यह करोड़ों को रोजगार देता है और प्रतिभाशाली लोगों को सृजन के अवसर। लेकिन बड़े पर्दे के सिनेमा के दर्शक घटे हैं। सोशल मीडिया में अनेक रास्तों से फिल्मी दृश्य और गाने सुने देखे जा सकते हैं। एक तरह से बहुत बड़े हाल में बैठकर अपनों के साथ फिल्म देखने का अवसर अब नहीं रहा। इधर तीन–चार फिल्में ऐसी आईं जिनमें हिंसा का अतिरेक था। कुछ वेब सीरीज में भी हिंसा और गलियों की बौछार है। ऐसे कथानक कला का आनंद नहीं देते। सभी कलाएं आनंद मार्गी हैं। गीत संगीत चित्त में आनंद रस का सृजन करते हैं। कुछ फिल्मों की कहानी भी रुचि पैदा करती है। सिनेमा अभी लाखों दर्शकों को सम्मोहित करता है। इस पर देश के जागरूक लोगों को खुशी मनानी चाहिए कि तमाम आधुनिक उपकरणों और तरीकों के बावजूद सिनेमा अभी भी अपना स्थान पूरी प्रतिष्ठा के साथ बनाए हुए है। इस लिहाज से निर्देशक लक्ष्मण के निर्देशन में बनी फिल्म 'छावा' दर्शकों की वाहवाही लूट रही है। इस वाहवाही के अनेक कारण हैं। केवल फिल्मांकन ही नहीं। यह अभिनय की दृष्टि से भी कमजोर फिल्म नहीं है। कसे संवाद और कलाकारों का अभिनय भी फिल्म के आकर्षण का कारण है। फिल्म की राष्ट्रीय चर्चा है। इसका मूल कारण औरंगजेब का व्यक्तित्व है। औरंगजेब किसी एक व्यक्ति का नाम भर नहीं है। औरंगजेब का नाम लेते ही लगभग 350–400 साल पहले भारतीय संस्कृति और परम्परा को रौंदने वाले अत्याचारी शासक का चेहरा सामने आ जाता है। कथित सेकुलरों ने औरंगजेब की प्रशंसा में बहुत कुछ लिखा है। वह उसे फकीर और संत सिद्ध करने में आमादा हैं। औरंगजेब इस देश की संस्कृति को नष्ट करने के लिए ज्यादा जाना गया है। स्वयं ईश्वर की उपासना करता था। लेकिन उसे हिन्दुओं को यह छूट देने पर ऐतराज था। औरंगजेब का एक भाई दारा शिकोह भारतीय संस्कृति और दर्शन का अनुरागी था। अब्बा शाहजहां ने दारा शिकोह के लिए उपनिषद और वेदांत पढ़ने वाले आचार्यों की नियुक्ति की थी। उसके मन में इस संसार को जान लेने की जिज्ञासा थी। पिता ने ऐसी ही व्यवस्था औरंगजेब के लिए भी की थी। औरंगजेब ने अपने अध्यापक आचार्य को चिट्ठी लिखी थी कि, "मेरे पिता ने आपको मुझे दर्शनशास्त्र पढ़ाने के लिए नियुक्त किया है, जबकि दर्शन में कोई लाभप्रद बात है ही नहीं। जो विषय समझ में नहीं आते जो, समझने और याद करने में क्लिष्ठ होते हैं, वही दर्शन शास्त्र है। अच्छा होता कि आप मुझे शहर में घेरा डालने की विधि समझाते।" औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को भी जेल में डाल दिया था। फिल्म छावा में भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण अंश को दर्शाया गया है। फिल्म के मुख्य अभिनेता विकी कौशल के अभिनय की भी प्रशंसा हो रही है। औरंगजेब के व्यक्तित्व को पर्दे पर उतारने के लिए अतिरिक्त साहस और बुद्धि की आवश्यकता थी। फिल्म के निर्देशक इस कार्य में सफल हुए हैं। औरंगजेब ने सनातन धर्म के सभी नियमों, आस्था और विश्वास को खत्म करने का काम किया था। काशी का मंदिर ध्वस्तीकरण औरंगजेब के काले कारनामों में से एक है। मूर्ति पूजा और मंदिरों में जाना औरंगजेब की निगाह में अपराध था। हम भारत के लोग औरंगजेब की प्रशंसा नहीं सुन सकते। छत्रपति शिवाजी आराध्य हैं। फिल्म में छत्रपति शिवाजी के पुत्र की भूमिका बहुत अच्छे तरीके से की गई है। फिल्म की कहानी का मूल आधार शिवाजी सावंत द्वारा लिखे गए उपन्यास छावा पर आधारित है। इस फिल्म ने तमाम भारत भक्तों को आकर्षित किया है। इसके अलावा औरंगजेब के मूल चरित्र को भी उजागर किया है। हम भारत के लोग विजय पर्व दशहरा का उत्सव मनाते हैं। रावण के पुतले को आग लगाते हैं। इसलिए कि रावण भारतीय ज्ञान परंपरा में खलनायक माना जाता है। विजयादशमी के दिनों देश के कोने–कोने रामलीलाएं होती हैं। देश में अत्याचार करने वाले किसी भी आतातई अपराधी की उपासना की अपेक्षा हमसे क्यों की जाती है। औरंगजेब भारतीय मध्यकाल के इतिहास का खलनायक था। लेकिन सेकुलर समूह औरंगजेब की छवि को लेकर चिंतित दिखाई पड़ते हैं। भारत की संस्कृति सभी कलाओं से भरी पूरी है। भारतीय सिनेमा भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। यूनानी दार्शनिक अरस्तु ने लिखा है कि, "कला प्रकृति की अनुकृति है।" सही बात है। अनुसरण से कलाओं का विकास हुआ है। लेकिन भारतीय कला के शतपथ ब्राह्मण की परिभाषा जान लेने लायक है–यो वे रुपम् तत् शिल्पम परम सत्ता सब तरफ रूप रूप प्रतिरूप हो रही है। सिनेमा में तमाम प्रतिभाओं का श्रम जुड़ता है। सिनेमा आकर्षित करता है। सिनेमा के कथानक को लेकर पहले भी विरोध या समर्थन होते रहे हैं। पद्मावत फिल्म के विरोध का किस्सा लोगों को मालूम है। उस समय महारानी की छवि वैसी नहीं दिखाई गई जैसी वास्तव में है। कश्मीर फाइल्स को पूरे देश ने बहुत ध्यान से देखा था। इस कहानी में कश्मीरी पण्डितों के उत्पीड़न को फिल्माया गया था। यहां भी फिल्म के विरोधी कश्मीरी पण्डितों के उत्पीड़न के प्रकाश में आ जाने से नाराज थे। दि केरला स्टोरी नाम की फिल्म पर लगातार विवाद होता ही रहा है। दरअसल फिल्म निर्माण के कार्य में प्रतिभाएं सुव्यवस्थित काम करती हैं। बेशक सिनेमा किसी न किसी रूप में समाज का सच दिखाता है। फिल्मकार बेशक इतिहास आधारित फिल्म निर्माण भी करते हैं, लेकिन वह इतिहास से निर्देशित नहीं होते। इतिहास की कथाएं भी इसी तरह की हैं। भारत का अब तक का उपलब्ध इतिहास अतिरेकों से भरा पूरा है। कुछ विद्वानों का कहना है कि इतिहास के पात्रों को हम फिल्म का विषय बनाकर अच्छा नहीं करते। इतिहास भूतकाल की स्मृतिजन्य विरासत है, लेकिन अब तक लिखे गए सभी इतिहासों में तथ्यों को छिपाने या अधिक उजागर करने के आरोप लगाते हैं। भारतीय इतिहास का विरूपण हुआ है।

कुछ विद्वानों ने चन्द्रप्रकाश द्विवेदी द्वारा लिखे व अभिनीत किए गए चाणक्य सीरियल की कहानी में कल्पनाशीलता का आरोप लगाया है। जबकि ऐसा सच नहीं है। सीरियल में इतिहास है। साहित्य है और भारत के लिए गर्व करने लायक अनेक तथ्य। फिल्म निर्माता सिनेमा बनाते हैं। वह इससे भारी कमाई पाते हैं। निन्दा स्तुति भी होती है। जरूरी नहीं कि वह देश के लिए अपने सामाजिक दायित्व का ध्यान रखें। 80 के दशक में गौतम घोष की 'पार' गोविन्द निहलानी की 'आक्रोश' और 'अर्धसत्य' जैसी फिल्मों ने सामाजिक दायित्व वाले दर्शकों को मोहित किया था। फिल्मों में इतिहास देखना गलती निकालना कोई अच्छी बात नहीं है। कला को कला, साहित्य को साहित्य और इतिहास को इतिहास की तरह रखकर ही हम जिम्मेदार राष्ट्र बन सकते हैं।

# भारत अपनी वैकल्पिक योजना के साथ तैयार रहे

अमेरिकी राष्टप्रति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 2 अप्रैल से भारत पर पारस्परिक टैरिफ लगाने की घोषणा ने नई दिल्ली में गंभीर चिंता पैदा कर दी है। अमेरिकी वस्तुओं पर भारत के उच्च आयात कर लंबे समय से विवादास्पद रहे हैं, जो अब व्यापार भागीदारों को प्रभावित कर रहे हैं। यह कदम अपने परिणामों के बिना नहीं है। यह आभूषण और फार्मास्यूटिकल्स जैसे निर्यात को जोखिम में डालता है, जिससे भारत को सालाना 7अरब डॉलर का महत्वपूर्ण नुकसान हो सकता है। सवाल यह है कि इस व्यापार युद्ध से भारत को कितना नुकसान होगा? क्या नयी दिल्ली नुकसान होने से पहले कोई रास्ता निकाल सकती है? यह लाख टके का सवाल नीति निर्माताओं और व्यापार विशेषज्ञों को चौकन्ना रखता है, जो स्थिति की संभावित गंभीरता को रेखांकित करता है। भारत वर्तमान में अमेरिकी उत्पादों पर अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाये जाने वाले करों की तुलना में बहुत अधिक आयात कर लगाता है, जिसमें 10 प्रतिशत से अधिक का अंतर है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के अनुसार, यदि अमेरिका इन शुल्कों को कम करता है, तो वित्त वर्ष 2025–26 में भारत का अमेरिका को निर्यात +2 अरब घटकर +7अरब रह सकता है। भारत का अमेरिका के साथ 36अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का व्यापार अधिशेष है। अमेरिका को भारतीय निर्यात का हिस्सा 2019–20 में 16.9 प्रतिशत से बढ़कर 2023–24 में 17.7प्रतिशत हो गया, जिसके कारण राष्ट्रपति ट्रम्प का प्रशासन शुल्क कार्रवाई कर सकता है। अपने अभियान के दौरान, ट्रम्प ने कई अमेरिकी निर्यातों पर भारतीय शुल्कों की आलोचना की और भारतीय निर्यातों पर पारस्परिक कर की संभावना का उल्लेख किया। ट्रम्प का मानना है कि अब समय आ गया है कि अमेरिका निष्पक्ष व्यापार के लिए टैरिफ लगाये। श ट्रम्प प्रशासन के तहत, आपको टैरिफ देना होगा और कुछ मामलों में, इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डाला जायेगा। ट्रम्प इस बात पर जोर देते हैं कि अमेरिका अब अनुचित व्यापार प्रथाओं को स्वीकार नहीं करेगा। भारत अमेरिकी वस्तुओं पर उच्च आयात कर लगाता है। भारत 100 प्रतिशत टैरिफ लगाता है, जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए अनुचित व्यापार प्रणाली बनती है। 2 अप्रैल को पारस्परिक शुल्क, अर्थात भारत द्वारा लगाये गये शुल्क, अमेरिका द्वारा बराबर किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त, यदि भारत अमेरिकी बाजार पहुंच को सीमित करने के लिए गैर–मौद्रिक शुल्क का उपयोग करता है, तो अमेरिका भी इसी तरह के प्रतिबंध लागू करेगा। क्रिसिल इंटेलिजेंस की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गयी है कि पारस्परिक कर भारत के निर्यात को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं, जो इसके सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 22प्रतिशत योगदान देता है। यह, धीमी वैश्विक व्यापार वृद्धि और बढ़ती अनिश्चितताओं से जुड़ी चुनौतियों के साथ मिलकर भारत की आर्थिक स्थिति को खराब कर सकता है। भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने अमेरिकी शुल्कों में संभावित बढ़ोतरी के प्रभाव का आकलन करने के लिए हितधारक परामर्श शुरू करके सक्रिय कदम उठाये हैं। ब्लूमबर्ग के अर्थशास्त्रियों के अनुसार, भारत का अमेरिका के साथ टैरिफ गैप काफी बड़ा है और यदि अमेरिका ट्रम्प के कहने के अनुसार टैरिफ को बराबर करने का फैसला करता है, तो इसका भारतीय निर्यात पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। भारत में उद्योग और व्यापार विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारत के शीर्ष निर्यात जैसे ऑटोमोबाइल पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा, हीरे, आभूषण, रसायन और फार्मास्यूटिकल्स को वर्तमान भारतीय टैरिफ पर अमेरिका में आयात नहीं कर सकते। विश्लेषकों का कहना है कि सबसे अधिक असुरक्षित रसायन, धातु उत्पाद और आभूषण हैं, इसके बाद ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स और खाद्य उत्पाद हैं। भारत को अपने संभावित हानियों और लाभों का आकलन करना चाहिए और भविष्य की व्यापार चुनौतियों के लिए अभिनव रणनीति विकसित करनी चाहिए। यदि राष्ट्रपति ट्रम्प आयातित प्रतिभाओं को नियुक्त करने वाली अमेरिकी कंपनियों को दंडित करते हैं, तो भारत के आउटसोर्सिंग और आईटी सेवा उद्योग को महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को नये अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि, जैमीसनग्रियर से मिलने के लिए अपनी अमेरिकी यात्रा शुरू की, जो ट्रम्प की टैरिफ योजना को लागू कर रहे हैं। ग्रियर ट्रम्प के पहले प्रशासन का भी हिस्सा थे, जिसने चीन को लक्षित किया और भारत के लिए निर्यात के अवसर खोले, खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में।

टैरिफ के बारे में विवादास्पद मुद्दों के बावजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना हुआ है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2024 में 118.2अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इस अवधि के दौरान भारत ने 36.8अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष बनाये रखा। ट्रम्प ने ऑटोमोबाइल टैरिफ को 100प्रतिशत लागू करने के लिए भारत की आलोचना की, यह दावा करते हुए कि इस तरह के व्यापार असंतुलन ने दशकों तक अन्य देशों को अमेरिका से फायदा उठाने की अनुमति दी। अन्य व्यापार साझेदारों की तरह, ट्रम्प प्रशासन भारत में अमेरिकी वस्तुओं के लिए वाणिज्यिक बाजार तक पहुंच के लिए टैरिफ का उपयोग करेगा। नयी दिल्ली को अब स्थिति का जल्द से जल्द समाधान ढूंढना चाहिए। एक समाधान इस मुद्दे पर चर्चा करना और करों को कम करना होगा। दोनों पक्षों का लक्ष्य बाजार तक पहुंच बढ़ाना, टैरिफ और गैर–टैरिफ बाधाओं को कम करना और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण को गहरा करना है। भारत को द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से टैरिफ को कम करने और अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह रणनीति भारत को आने वाली व्यापार चुनौतियों से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने में मदद कर सकती है। यह एक ऐसा रवैया होगा जो नयी दिल्ली को इस संकटपूर्ण स्थिति से उबरने में मदद करेगा।

# स्क्रिप्ट में था दम, लेकिन प्रोड्यूसर के इरादे खराब

## विक्की कौशल की को-स्टार रहीं अलंकृता सहाय ने बताई पंजाबी फिल्म छोड़ने की वजह



2014 में मिस इंडिया अर्थ का खिताब जीत चुकीं मॉडल–अभिनेत्री अलंकृता सहाय अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में दैनिक भास्कर से बातचीत में उन्होंने खुलासा किया कि कैसे एक पंजाबी फिल्म की शूटिंग के दौरान प्रोड्यूसर के अजीब व्यवहार ने उन्हें असहज कर दिया, जिससे उन्हें फिल्म छोड़नी पड़ी। बातचीत के दौरान, उन्होंने अपनी प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कुछ दिलचस्प किस्से शेयर किए। बता दें, अलंकृता ने बॉलीवुड में डेब्यू फिल्म 'लव पर स्क्वायर फीट' से किया था, जिसमें वह विक्की कौशल के साथ नजर आई थीं। मॉडलिंग और एक्टिंग करियर की शुरुआत बचपन में मुझे परफॉर्मिंग आर्ट्स का बहुत शौक था। स्कूल में डांस, डिबेट, नाटक – हर चीज में हिस्सा लेती थी। मेरी टीचर और पेरेंट्स ने हमेशा सपोर्ट किया। लेकिन उस वक्त सोचा नहीं था कि एक्टिंग मेरा करियर बनेगी। मेरा सपना तो ^ बनने का था, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। मैं मुंबई किसी और काम से आई थी, लेकिन यहां का माहौल और इंडस्ट्री की चकाचौंध मुझे खींच लाई। कॉलेज में थिएटर किया था, लेकिन करियर के रूप में इसे कभी नहीं सोचा था। फिर मिस इंडिया का टाइटल जीता और इंटरनेशनल लेवल पर भारत को रिप्रेजेंट किया। तभी अहसास हुआ कि यही मेरा रास्ता है। उस दिन मेरी मम्मा ने कहा, 'तुम्हें देश के लिए कुछ करना था, और तुमने कर दिखाया।' बस, वहीं से जर्नी शुरू हो गई। विक्की कौशल के साथ पहला फिल्मी अनुभव दरअसल, हिमेश रेशमिया सर ने मुझे अपने म्यूजिक एल्बम में लॉन्च किया। वह एक बड़ा मौका था, जिससे बॉलीवुड के बड़े लोगों से मिलने का अवसर मिला। इसके बाद टीवी ऐड्स मिले और फिर मेरी पहली फिल्म 'लव पर स्क्वायर फीट' मिली, जिसमें मैं विक्की कौशल के साथ नजर आई। विक्की बहुत अच्छे इंसान हैं। जब हमने साथ काम किया, तब भी वह टैलेंटेड थे और आज तो उनकी एक्टिंग कमाल की हो गई है। फिल्म छावा में उनका किरदार देखकर सच में रोंगटे खड़े हो गए। हम अब भी टच में हैं। वह इंस्टाग्राम पर हमारे पोस्ट्स पर कमेंट करते हैं और मैं भी उनकी जर्नी फॉलो करती हूं। फिल्म के बाद सबकुछ ठीक चल रहा था, लेकिन कोविड ने ब्रेक लगा दिया। बिना फिल्मी बैकग्राउंड के, दोबारा इंडस्ट्री में जगह बनाना मुश्किल था, मगर मैंने हार नहीं मानी। मिस इंडिया बनने के बाद भी स्ट्रगल लोग मानते हैं कि अगर लड़की सुंदर है, तो उसमें टैलेंट नहीं होगा। मुझे भी इसी सोच का सामना करना पड़ा। जब मैं मिस इंडिया बनी, तो कुछ लोगों ने कहा, 'अरे, ये तो सिर्फ एक प्रिटी फेस है, एक्टिंग नहीं कर पाएगी।' लेकिन मैंने हार नहीं मानी। ऑडिशन दिए, एक्टिंग वर्कशॉप कीं और खुद को साबित किया। ऐश्वर्या राय, प्रियंका चोपड़ा, सुष्मिता सेन – ये भी मिस इंडिया थीं, लेकिन अपनी मेहनत से उन्होंने खुद को साबित किया। इंडस्ट्री में टिकने के लिए सिर्फ खूबसूरती नहीं, टैलेंट और मेहनत भी चाहिए। 'नमस्ते इंग्लैंड' में अर्जुन कपूर के साथ काम करने का अनुभव अर्जुन बहुत मजेदार इंसान हैं। सेट पर उनका एनर्जी लेवल हमेशा हाई रहता था और उनके आसपास का माहौल कभी भी बोरिंग नहीं होता था। वह को–स्टार्स को कंफर्टेबल फील कराते हैं और शूटिंग के दौरान हंसी–मजाक चलता रहता था। लेकिन जब काम की बात आती थी, तो वह उतने ही प्रोफेशनल और डेडिकेटेड हो जाते थे। एक खास किस्सा मुझे याद है– हम एक छत पर शूट कर रहे थे और उस दिन मौसम बेहद ठंडा था। मैं ठंड से कांप रही थी, लेकिन अर्जुन ने बिना कुछ कहे अपनी जैकेट उतारकर मुझे दे दी। यह उनकी केयरिंग नेचर को दिखाता है। वह सिर्फ ऑन–स्क्रीन ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी बहुत अच्छे इंसान हैं। मुझे उनकी एक और बात बहुत पसंद आई – जब मेरे पापा का निधन हुआ था, तब अर्जुन ने मुझे मैसेज करके संवेदना जताई थी। इंडस्ट्री में बहुत कम लोग ऐसे होते हैं, जो निजी स्तर पर भी दूसरों की परवाह करते हैं। अर्जुन ऐसे ही इंसान हैं – बेहद ग्राउंडेड, केयरिंग और दिल से अच्छे। टचवुड, बॉलीवुड में मेरा अब तक का सफर प्रोफेशनल और अच्छा रहा है। लेकिन एक बार पंजाबी फिल्म के दौरान एक अजीब स्थिति का सामना करना पड़ा था। दरअसल, मुझे एक पंजाबी फिल्म के लिए साइन किया गया था। प्रोड्यूसर नए थे, लेकिन शुरुआती बातचीत में सब कुछ नॉर्मल लग रहा था। उन्होंने कहा कि शूटिंग चंडीगढ़ में होगी और सबकुछ अच्छे से मैनेज किया जाएगा। मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी थी और कहानी भी ठीक लगी थी, इसलिए मैंने हां कर दी। मैंने जैसे ही चंडीगढ़ में कदम रखा, माहौल अचानक बदलने लगा। वहां पहुंचते ही एहसास हुआ कि चीजें वैसे नहीं थीं, जैसा मुझे बताया गया था। पहले तो उन्होंने पूछा कि मैं होटल में क्यों ठहरी, जबकि मैंने अपने होटल का खर्चा खुद उठाया था। फिर उनका कहना था कि मुझे उनके बताए हुए जगह पर ही रुकना चाहिए, ताकि मैं 'टीम के साथ घुल–मिल' जाऊं। लेकिन मेरे लिए आराम और सुरक्षा ज्यादा जरूरी थी। इसके बाद बातों का रुख धीरे–धीरे बदलने लगा। छोटी–छोटी चीजों में दखल देने लगे – कहां जाना है, किससे मिलना है, यहां तक कि मेरे कपड़ों और शॉपिंग तक पर सवाल उठाने लगे। ये सब मुझे बहुत अजीब लग रहा था। एक दिन उन्होंने मुझसे कहा– 'हमारी हीरोइन को फिल्म की प्रमोशन के लिए हर जगह मौजूद रहना चाहिए। आपको हमारे साथ ही रहना होगा, हमारी तरह से चलना होगा।' ये सुनकर मैं अंदर तक असहज हो गई। उस वक्त समझ आ गया कि बात सिर्फ प्रोफेशनल कमिटमेंट की नहीं, कुछ और भी है। मैंने तुरंत फिल्म छोड़ने का फैसला किया। मेरे लिए आत्मसम्मान सबसे जरूरी है। अगर शुरुआत में ही ऐसी बातें हो रही थीं, तो आगे क्या होता, ये सोचकर ही डर लगने लगा। मुझे लगा कि ये लोग मेरे फैसलों को कंट्रोल करना चाहते हैं, जो मुझे किसी भी हाल में मंजूर नहीं था। इसलिए बिना कोई बहस किए, मैंने वहां से निकल जाना ही सही समझा। कोई फिल्म, कोई करियर, कोई मौका – आत्मसम्मान से बढ़कर नहीं हो सकता। पापा को खोना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा दर्द पापा को खोना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा दर्द था। वह मेरे सबसे बड़े सपोर्ट थे, हमेशा कहते थे दृ श्तू कर सकती है।श उनके जाने के बाद मैंने सब छोड़ दिया, मुंबई तक छोड़ दी, क्योंकि वहां रहना और वही जिंदगी जीना मुमकिन नहीं था। चंडीगढ़ में दो साल बिताए, लेकिन हर दिन एक ही सवाल दृ अब आगे क्या? कई बार लगा कि हिम्मत टूट जाएगी, लेकिन पापा ने हमें स्ट्रॉन्ग बनाया था। फिर एक दिन वह मेरे सपने में आए और बस एक शब्द कहा दृ श्ळव.श उसी पल मैंने फैसला किया वापस आने का।

प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा ने हाल ही में एक्ट्रेस से जुड़े कई खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि एक्ट्रेस ने अपने पिता के निधन के छह दिन बाद ही उनके बर्थडे के लिए काफी कुछ किया था। पिता के निधन के 6 दिन बाद मां के लिए पार्टी रखी प्रियंका की मां ने हाल ही में लेहरें रेट्रो के साथ पॉडकास्ट में बातचीत करते हुए कहा– प्रियंका के पिता का निधन 10 जून को हुआ और मेरा जन्मदिन 16 जून को होता है। मैं 60 साल की हो रही थी। इसलिए प्रियंका के पिता ने मेरे लिए एक बड़ी पार्टी की प्लानिंग की थी। उस समय वह काफी बीमार थे, जिसके कारण पूरा परिवार पहले से ही वहां मौजूद था। इसी दौरान उनका निधन हो गया। उनके जाने के बाद हम काफी शोक में थे। लेकिन उस वक्त प्रियंका ने कहा कि हम बर्थडे पार्टी ऑर्गेनाइज करेंगे और सभी गेस्ट को रुकने के लिए कहा। उसने कहा, श्पिता जी यही तो चाहते थे।जॉन से मेरे बर्थडे गिफ्ट के रूप में आने के लिए कहाश मधु चोपड़ा ने पूरा किस्सा शेयर करते हुए बताया कि मैं जॉन अब्राहम की शुरू से ही बहुत बड़ी फैन हूं। इसलिए प्रियंका ने आधी रात को जॉन को कॉल किया और उनसे रिक्वेस्ट की। प्रियंका ने जॉन से कहा कि वह मेरे बर्थडे में गिफ्ट के तौर पर आएं।

एक्ट्रेस कुब्रा सेत अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं. एक्ट्रेस ने अपनी एक किताब लिखी है जिसका टाइटल ओपन बुक है. इस किताब के एक चौप्टर में कुब्रा ने बताया था कि साल 2013 में एक वन नाइट स्टैंड के बाद वे प्रेग्नेंट हो गई थीं. ऐसे में उन्हें सबसे छुपकर अबॉर्शन कराना पड़ा था. अब सालों बाद एक्ट्रेस ने अपने अबॉर्शन पर फिर बात की है और बताया है कि उस वक्त वे काफी कमजोर महसूस कर रही थीं. बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में कुब्रा सेत ने कहा– श्मुझे लगता है कि जब मैं अबॉर्शन से गुजरी तो मैं बिल्कुल इतनी मजबूत नहीं थी. मैं बहुत कमजोर थी उसके लिए. मुझमें ये हिम्मत नहीं थी कि अगर ये हम नहीं करेंगे तो हम इसके साथ रह लेंगे. मैं उस वक्त बहुत कमजोर महसूस कर रही थी. बहुत खाली महसूस कर रही थीं. मुझे लग रहा था कि मैं इस लायक ही नहीं हूं. लेकिन बाद में ये हिम्मत आई कि आपने अपने लिए फैसला लिया और आपने जो किया आप उसपर बने रहे और स्टेरियोटिपिकल सोसाइटल नॉर्म्स को तोड़ा.श बिना किसी को बताए खुद करवा लिया अबॉर्शन कुब्रा ने आगे खुलासा किया कि उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी और अबॉर्शन की बात सबसे छुपाई थी. उन्होंने कहा– श्किसी को इस बारे में पता नहीं था. मैं खुद गई और मैंने जाकर खुद अबॉर्शन कराया. मैंने किसी को नहीं बताया। मैं दो से तीन हफ्ते तक सोचती रही, कुछ ऐसी चीजें होती रहीं. फिर मैं अपनी एक दोस्त से मिली एक कॉफी शॉप पर और वो कह रही थी कि तुम सुन नहीं रही. फिर मैंने बताया कि मुझे अबॉर्शन कराना है और उसने पूछा किसे तुम्हें कराना है. मैं रोने लगी क्योंकि मुझे ध्यान आया कि यार ये तो मैंने किसी को नहीं बताया था और किसी को नहीं पता था कि मैं किस चीज से गुजर रही हूं.।

## खुशी कपूर ने व्हाइट ऑफ शोल्डर ड्रेस में ढाया कहर, फोटोज में देखें गॉर्जियस लुक



खुशी कपूर व्हाइट कलर की फ्रॉक स्टाइल ऑफ शोल्डर ड्रेस में किसी परी जैसी लग रही...

## साक्षी चोपड़ा की ये हॉट तस्वीरें उड़ा देंगी रातों की नींद



साक्षी चोपड़ा का इंस्टाग्राम बोल्ड फोटोज से भरा पड़ा है, तो आइए आज आपको दिखाते हैं उनकी कुछ ऐसी तस्वीरें जिनसे निगाहें हटा पाना आपके लिए मुश्किल हो...

## फ्लोरल प्रिंटेड बिकिनी में नम्रता मल्ला ने लगाए जमकर ठुमके, फैंस बोले – स्टनिंग ब्यूटी



नम्रता मल्ला फ्लोरल प्रिंटेड बिकिनी में एक से बढ़कर एक हॉट मूव से फैंस की धड़कनें बढ़ाती नजर आ रहीं...

## केले और गेहूं के आटे से बना पैनकेक है बेहद स्वादिष्ट और हेल्दी नाश्ता, ऐसे घर पर बनाएं

खाने–पीने के शौकीन लोगों के लिए पैनकेक बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। चाहे बच्चे हों या बड़े मीठे में पैनकेक खाना सभी को पसंद होता है। वहीं कई लोग अपने पार्टनर के लिए भी कुछ खास डिश बनाना चाहते हैं तो इसे आप बना सकते हैं। वहीं कुछ लोग बिना अंडे का पैनकेक बनाना और खाना पसंद करते हैं। इसलिए आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए केले और गेंहू के आटे का पैनकेक बनाने का आसान तरीका बताने जा रहे हैं। इस तरीके से आप घर पर टेस्टी पैनकेक बना सकते हैं।

केले और गेहूं के आटे का पैनकेक

केला– 1

मैदा –3/4 कप

गेहूं का आटा– 1/3 कप

इलायची– 4 (दरदरी कुटी)

बेकिंग पाउडर– 1.5 छोटी चम्मच

चीनी पाउडर– 2 छोटे चम्मच

नमक– ( छोटी चम्मच से आधा

घी– 4–5 टेबल स्पून

दूध– 1 कप

बनाने का तरीका

पैनकेक बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े बर्तन में मैदा निकाल लीजिए।

फिर इसमें गेहूं का आटा, चीनी, नमक, इलायची पाउडर और बेकिंग पाउडर डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

इसके बाद केला को इसमें मैश कर इसमें दूध डाल दीजिए।

अब इस मिक्सचर में मैदा और आटे को अच्छे से मिला लें। जब तक इसकी गुठलियां खत्म ना हो तब तक इसको घोलते रहें।

फिर इस बैटर में 2 छोटे चम्मच घी डालकर इसको अच्छे से मिला लें। बैटर तैयार होने के बाद इसे 20 मिनट तक के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

इसके बाद गैस पर नॉनस्टिक तवा चढ़ाएं, जब तवा गर्म हो जाए तो इसपर थोड़ा सा घी को पूरे तवे पर फैलाएं।

फिर बैटर का मोटा घोल डालते हुए उसे फैलाएं और पैनकेक के चारों ओर हल्का–हल्का घी लगाएं।

मीडियम आंच पर गोल्डेन ब्राउन होने तक पैनकेक को सेंके, फिर दूसरी तरफ से भी इसे ऐसे ही सेंकें।

बाकी बचे केक को भी ऐसे ही सेंकें।

अब आपका पैनकेक बनकर तैयार हो गया है। इसमें हनी बटर, जैम या फिर अपने फेवरेट फ्रूट्स डालकर इसको गार्निश करके खाएं।

## सहरी में काम हो जाएगा और भी आसान अगर अपना लिए ये कुकिंग हैक्स

रमजान का महीना चल रहा है, मुस्लिम समुदाय के लोग इसका बहुत ही बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस बात को कहना गलत नहीं होगा कि इस्लाम धर्म में इस महीने को बहुत ही खास और महत्वपूर्ण माना जाता है। इस पूरे महीने में हर मुस्लिम व्यक्ति रोजे रखकर अल्लाह की इबादत करता है। रोजा रखने के लिए सहरी में उठकर पेट भर खाना खाया जाता है। सेहरी के दौरान घरों में बहुत ही रौनत होती है और कई तरह के स्वादिष्ट पकवान तैयार किए जाते हैं। परंतु थकान और नींद के कारण महिलाएं किचन का काम आसानी से नहीं कर पाती हैं। ऐसे में आप कुछ किचन टिप्स के साथ अपना आधा काम आसान कर सकती हैं। तो आइए जानते हैं इसके बारे में...

क्या बनाना है क्या नहीं पहले ही कर लें डिसाइड

सहरी में आप क्या–क्या बनाने वाली हैं इन सबकी पहले ही योजना बना लें। यदि काम ज्यादा है तो जल्दी उठकर उसे पूरा कर लें। परंतु कई बार महिलाएं इस बात को डिसाइड नहीं कर पाती कि क्या बनाया जाए और इसी में सारा समय बर्बाद हो जाता है। इसलिए काम आसान करने के लिए मसाले पहले ही तैयार करके रख लें।

सब्जियां काटकर रख लें

कई बार सब्जी काटने में बहुत ही समय लगता है ऐसे में दूसरा काम करने में भी देरी हो जाती है। इसके लिए पहले ही पूरे हफ्ते की सब्जी काटकर फ्रिज में रख दें। इससे आपका टाइम भी बचेगा और काम भी आसान हो जाएगा। ऐसे में यदि आपको जल्दी है तो आप फटाफट काटी हुई सब्जियों से खाना तैयार कर सकती हैं। आटा गूंथकर रख लें

सहरी में कई बार थकान के कारण आंख देरी से खुल सकती है। ऐसे में रोटियां बनाना महिलाओं के लिए सबसे बड़ा काम होता है। इसलिए काम को आसान बनाने के लिए रात में ही आटा गूंथकर फ्रिज में रख लें। जब रोटियां बनानी हो तो 10 मिनट पहले आटा बाहर निकालकर रखें। इससे टाइम भी बचेगा और काम भी आसान होगा।

पहले छील लें लहसुन

लहसुन छीलने में भी काफी समय बर्बाद होता है। ऐसे में इसे पहले छीलकर रखने के लिए लहसुन की कलियों को थोड़ी देर गर्म पानी में डालें। इसके बाद जैसे आप लहसुन छीलेंगे यह आसानी से छिल जाएगा।

## इन 6 तरह के लोग आंवला से करें परहेज, फायदे से ज्यादा होगा नुकसान

आंवला खाने में बहुत फायदेमंद है। विटामिन सी से भरपूर होने के साथ–साथ इसमें कई शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं। आंवला को आयुर्वेद का वरदान माना जाता है , इसके पोषक तत्व इम्यूनिटी बढ़ाने का काम करते है। लेकिन हर चीज के कुछ फायदों के साथ नुकसान भी होते हैं। कुछ ऐसी हेल्थ कंडीशन भी होती है, जिसमें डॉक्टर भी आंवला नहीं खाने की सलाह देते हैं। आईए जानते है ऐसे कुछ हेल्थ कंडीशन के बारे में जिसमें आंवला नहीं खाना चाहिए।

लिवर के मरीजों को आंवला का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। आंवला और अदरक का तो साथ में खाना तो बिल्कुल अवॉयड करना चाहिए। इससे लिवर एंजाइम्स का स्तार बढ़ सकता है जो लिवर के मरीजों के लिए बहुत हानिकारक है।

ब्लड डिसऑर्डर के मरीज

आंवला एंटीफ्लेटलेट के गुणों से भरपुर है जो खुन के थक्कों को बनाने से रोकता है, इससे हार्ट अटैक का खतरा कम होता है, लेकिन जो लोग पहले से ही ब्लड डिसऑर्डर के रोग से जूझ रहे हैं, उन्हें आंवला का सेवम नहीं करना चाहिए।

सर्जरी करवाने वाले

जो लोग जल्द ही सर्जरी करवाने वाले हैं, आंवला खाने से बचना चाहिए। इस फल का अधिक मात्रा में सेवन करने से ब्लीडिंग का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक ब्लीडिंग होने से हाइपोक्सिमिया, गंभीर एसिडोस, या मल्टीऑर्गन डिसफंक्शन हो सकता है। इसलिए एक्सपर्ट्स सलाह देते है कि सर्जरी से कम से कम 2 सप्ताह पहले आंवला खाना बंद कर देना चाहिए।

किडनी के मरीज

जिन लोगों को किडनी से जुड़ी कोई समस्या है, वे लोग इसका सेवन विशेषज्ञ की सलाह के बाद ही करें। आंवले का अधिक सेवन शरीर में सोडियम के स्तर को बढ़ा देता है, साथ ही किडनी की कार्यप्रणाली पर असर डालता है।

प्रेंगनट महिलाएं

आंवला में ऐसे कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर के लिए फायदेमंद हैं लेकिन ज्यादा मात्रा में इसे खाने पर पेट खराब हो सकता है। इससे डायरिया और डिहाइड्रेशन जैसी समस्या भी हो सकती है। प्रेग्नेंट या ब्रेस्ट फीड कराने वाली महिलाओं में ये लक्षण और गंभीर हो सकते हैं। इन महिलाओं को डॉक्टर से संपर्क करने के बाद ही आंवला खाना चाहिए।

लो ब्लड शुगर लेवल वाले

यदि आपका ब्लड शुगर लेवल अक्सर कम रहता है या एंटी–डायबिटिक दवा ले रहे हैं तो आंबला से परहेज करें।

## गर्मियों में झाइयों और कील मुहांसों से बचना है तो अभी से अपना लें शाहनाज हुसैन के ये घरेलू नुस्खे

कील–मुहांसे ,फुंसिया , झाइयां , टैनिंग और बेजान त्वचा से गर्मियों में आमतौर पर सभी महिलाएं परेशान रहती हैं। इसका मुख्य कारण तेज धूप, गर्म हवाएं और प्रदूषण माना जाता है। चेहरे पर झाइयों का हो जाना एक सामान्य समस्या है। झाइयों के होने के कई कारण हो सकते हैं। गर्मियों में सूर्य की तेज किरणों, प्रदूषण , संक्रमण चेहरे का असली निखार छीन लेते हैं। त्वचा संबंधी कई सारी परेशानियां अक्सर हमारी खूबसूरती को कम देती हैं। कील–मुहांसों से लेकर दाग–धब्बे और झाइयां तक सभी हमारे चेहरे का निखार छीन लेते हैं। ऐसे में लोग इन समस्याओं से निजात पाने और अपनी खूबसूरती बनाएं रखने के लिए कई सारे ब्यूटी ट्रीटमेंट्स और प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन रासायनिक तत्वों वाले इन उत्पादों और ट्रीटमेंट्स से कई बार साइड इफेक्ट का खतरा बना रहता है। इतना ही नहीं इन प्रोडक्ट्स और ट्रीटमेंट का असर कुछ समय बाद खत्म होने लगता है जिसकी वजह से फिर वही समस्याएं होने लगती हैं। अगर आप भी चेहरे की झाइयां और दाग–धब्बों से परेशान हैं तो इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

क्यों होते हैं चेहरे पर दाग–धब्बे?

सनबर्न, पोषण की कमी, तनाव और कुछ दवाओं का प्रयोग चेहरे पर झाइयों का कारण बन सकता है। इससे सही पोषण, पर्याप्त नींद और सही स्किन केयर आजमा कर निपटा जा सकता है। त्वचा की क्लींजिंग के लिए स्क्रब के इस्तेमाल से डेड स्किन सेल्स अपने आप निकल जाते हैं। मास्क और स्क्रब पिगमेंटेशन कम कर सकते हैं। धीरे–धीरे गहरे दाग हल्के होते चले जाते हैं। लेकिन दाग–धब्बे,खत्म होने के बाद भी सनस्क्रीन को लगाते रहना चाहिए। हार्मोनल असंतुलन की वजह से अधिकतर महिलाओं को प्रेगनेंसी के बाद पिगमेंटेशन से होकर गुजरना पड़ता है। वहीं घर से बाहर निकलते ही सूर्य की किरणों के सम्पर्क में ज्यादा देर तक रहने से झाइंया, दाग–धब्बे और गहरे होते जाते हैं। सूर्य की तेज किरणें चेहरे की कोशिकाओं को नुकसान करने का काम करती है। शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण ये दाग उभरने लगते हैं। चेहरे पर केमिकल युक्त सौन्दर्य प्रसाधनों का अधिक मात्रा में इस्तेमाल करना भी हानिकारक साबित हो सकता है। ज्यादा तनाव और सोचने के कारण दाग उभरने लगते हैं।

विटामिन–सी सीरम करें अप्लाई

एंटी ऑक्सीडेंटस से भरपूर विटामिन सी सीरम की बूंदों को चेहरे पर नियमित तौर पर लगाएं। ये त्वचा पर सुरक्षा कवच का काम करता है। इससे न केवल झाइयां गहरी होने से बचती हैं बल्कि त्वचा को मुलायम और आकर्षक भी बनाती हैं। विटामिन सी त्वचा में कोलेजन बनाता है।

दरअसल इस सीरम की मदद से टायरोसिनेस नाम के एंजाइम के उत्पादन को रोका जा सकता है, जो मेलेनिन को बढ़ाकर हाइपरपिग्मेंटेशन का कारण साबित होता है। इसे अप्लाई करने से चेहरे की रंगत में भी बदलाव नजर आने लगता है।

सनस्क्रीन का इस्तेमाल न भूलें

सनस्क्रीन हमें अल्ट्रा वायलेट किरणों से बचाने का काम करती है। इससे मेलानिन का उत्पादन अपने आप कम या धीमा हो जाता है। ब्रॉड स्पेक्ट्रम, एसपीएफ 30 या उससे ज्यादा सनस्क्रीन का प्रयोग करें। इसके अलावा कड़कती धूप में बाहर निकलने से बचें। सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक बाहर निकलने से बचें। बाहर जाने से पहले गॉगल्स ,स्कार्फ या हैट–टोपी पहनकर बाहर जाएं।

क्लींजर करें प्रयोग

ठंडे दूध में 1 चमच्च ऑलिव ऑयल मिलाएं। उसके बाद इसमें सूरजमुखी तेल की कुछ बूंदे डालें। अब इस मिश्रण को कॉटन की मदद से इसे त्वचा पर अप्लाई करें।

## संक्षिप्त

### इंडसइंड बैंक के पास पर्याप्त पूंजी, जमाकर्ताओं को चिंता करने की जरूरत नहीं, आरबीआई का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडसइंड बैंक में चल रहे संकट के बीच देश के केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने एक बयान जारी किया है। इस बयान में रिजर्व बैंक ने कहा है कि इंडसइंड बैंक वित्तीय रूप से स्थिर है और बैंक के पास पर्याप्त मात्रा में पूंजी है, इसलिए जमाकर्ताओं को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

रिजर्व बैंक ने जमाकर्ताओं को किया आश्वस्त

रिजर्व बैंक के बयान में बताया गया कि बैंक के वित्तीय नतीजों की ऑडिटर द्वारा समीक्षा की गई, जिसमें पता चला है कि 31 दिसंबर 2024 को खत्म हुई तिमाही में बैंक के पास पर्याप्त पूंजी है और इसका पूंजी पर्याप्तता अनुपात 16.46 प्रतिशत है, वहीं प्रावधान कवरेज अनुपात 70.20 प्रतिशत है। रिजर्व बैंक के अनुसार, इंडसइंड बैंक का 9 मार्च 2025 तक लिक्विडिटी कवरेज अनुपात 113 प्रतिशत है, जबकि विनियामक नियमों के तहत ये 100 प्रतिशत होना चाहिए।

सुधारात्मक कदम उठाने के दिए निर्देश

रिजर्व बैंक ने शनिवार को इंडसइंड बैंक के बोर्ड से भी कहा कि वे चालू तिमाही के दौरान बैंक द्वारा घोषित 2,100 करोड़ रुपये की भारी–भरकम अकाउंटिंग विसंगति के खुलासे के बीच सुधारात्मक कार्रवाई पूरी करे। उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह की शुरुआत में, इंडसइंड बैंक ने अकाउंटिंग में गड़बड़ी का खुलासा किया था, जिससे बैंक की नेटवर्थ पर 2.35 प्रतिशत का अनुमानित प्रभाव पड़ा था। इस खुलासे के तुरंत बाद, बैंक के शेयरों में भी भारी गिरावट देखी गई। सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बैंक ने पहले ही अपने मौजूदा सिस्टम की व्यापक समीक्षा करने और वास्तविक प्रभाव का आकलन करने के लिए एक बाहरी ऑडिट टीम को नियुक्त कर लिया है।

क्या है इंडसइंड बैंक का पूरा मामला

इंडसइंड बैंक के शेयर मंगलवार को 27.06: गिरकर 656. 80 रुपये पर गिरकर बंद हुए। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में गड़बड़ी बताई जा रही है। इससे बैंक का मार्केट कैप 2.35 प्रतिशत कम हो गया। बैंक पर निवेशकों का भरोसा कमजोर पड़ा तो लोगों ने शेयर बेचने शुरू कर दिए, जिससे बैंक के शेयरों में भारी गिरावट देखी गई।

### इंटेल के नए सीईओ को मिलेगा इतना वेतन, इक्विटी पुरस्कार के तौर पर दी जाएगी ये राशि

इंटेल ने नए सीईओ लिप–बू टैन की नियुक्ति की है। इंटेल द्वारा एसईसी में दाखिल फायलिंग में नए सीईओ को मिलने वाले पैकेज और वार्षिक वेतन के संबंध में जानकारी साझा की गई है। नई फाइलिंग के मताबिक एक मिलियन डॉलर का वार्षिक वेतन मिलेगा। लिप–बू टैन को कुल मुआवजा पैकेज मिलेगा जिसमें 1 मिलियन डॉलर का वार्षिक वेतन और लगभग 66 मिलियन डॉलर का स्टॉक विकल्प और इक्विटी अनुदान शामिल है। सेमीकंडक्टर उद्योग में अनुभवी टैन को इस सप्ताह

की शुरुआत में सीईओ नियुक्त किया गया, जिससे कंपनी में संभावित बदलाव के बारे में आशावाद बढ़ा। 2025 में इंटेल के शेयरों में लगभग 20: की वृद्धि हुई है, जिसमें से अधिकांश लाभ उनकी नियुक्ति की घोषणा के बाद आया है। वह अगले सप्ताह आधिकारिक तौर पर अपनी नई भूमिका शुरू करने के लिए तैयार हैं। अपने मूल वेतन के साथ, टैन +2 मिलियन तक के वार्षिक बोनस के लिए पात्र होंगे। उनके मुआवज़े के पैकेज में दीर्घकालिक इक्विटी पुरस्कार भी शामिल हैं, जैसे कि +14.4 मिलियन मूल्य की प्रतिबंधित स्टॉक इकाइयाँ और +17 मिलियन मूल्य का प्रदर्शन–आधारित स्टॉक अनुदान। ये अनुदान पाँच वर्षों में दिए जाएँगे, लेकिन इंटेल के स्टॉक प्रदर्शन पर निर्भर हैं – अगर कंपनी के स्टॉक में अगले तीन वर्षों में गिरावट आती है, तो टैन को कोई भी शेयर नहीं मिलेगा। इसके विपरीत, अगर इंटेल का स्टॉक बाज़ार बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन करता है, तो उसे अतिरिक्त इक्विटी मिल सकती है। इसके अलावा, टैन को +9.6 मिलियन का स्टॉक विकल्प और +25 मिलियन मूल्य का नया किराया विकल्प अनुदान मिलेगा। कुल मिलाकर, उनके मुआवजे में वेतन, बोनस और कानूनी खर्चों के अलावा लंबी अवधि की इक्विटी और स्टॉक विकल्पों में लगभग +66 मिलियन शामिल हैं। अगर इंटेल के नियंत्रण में बदलाव होता है, तो टैन अपने पुरस्कारों के त्वरित निहित होने के लिए योग्य हो सकते हैं। इंटेल ने ईमेल के ज़रिए दिए गए बयान में कहा, ष्लिप–बू का मुआवज़ा एक कुशल प्रौद्योगिकी नेता के रूप में उनके अनुभव और साख को दर्शाता है, जिसमें गहरी उद्योग विशेषज्ञता है और यह बाज़ार में प्रतिस्पर्धी है।ष्उनके मुआवज़े का बड़ा हिस्सा इक्विटी–आधारित है और दीर्घकालिक शेयरधारक मूल्य सृजन से जुड़ा है। समझौते के एक भाग के रूप में, टैन ने अपने पारिश्रमिक पैकेज के लिए अर्हता प्राप्त करने हेतु 25 मिलियन डॉलर मूल्य के इंटेल शेयर खरीदने और उन्हें अपने पास रखने की भी प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

# इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज में रोहित होंगे कप्तान ? चैंपियंस ट्रॉफी जीतने का मिल सकता है इनाम

रोहित को बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के दौरान सिडनी में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच से बाहर रखा गया था जिससे इस प्रारूप में उनके भविष्य को लेकर चर्चा का बाजार गर्म हो गया था। हालांकि, रोहित के नेतृत्व में भारत ने हाल ही में न्यूजीलैंड को हराकर चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था जो उसका पिछले नौ महीने में दूसरा आईसीसी खिताब था।

नई दिल्ली, एजेंसी। चौंपियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद रोहित शर्मा को इंग्लैंड के खिलाफ जून में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए चुना जा सकता है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, रोहित इस दौरे पर कप्तानी कर सकते हैं। चौंपियंस ट्रॉफी से पहले रोहित खराब दौर से गुजर रहे थे और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था।

रोहित के नेतृत्व में जीती दो आईसीसी ट्रॉफी

रोहित को बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के दौरान सिडनी में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच से बाहर रखा गया था जिससे इस प्रारूप में उनके भविष्य को लेकर चर्चा का बाजार गर्म हो गया था। हालांकि, रोहित के नेतृत्व में भारत ने हाल ही में न्यूजीलैंड को हराकर चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था जो उसका पिछले नौ महीने में दूसरा आईसीसी खिताब था। इससे पहले टीम ने 2024 में रोहित की कप्तानी में ही टी20 विश्व कप की ट्रॉफी अपने नाम की थी। इस रिपोर्ट की मानें तो रोहित को चौंपियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत का इनाम मिल सकता है और वह इंग्लैंड दौरे पर कप्तानी संभाल सकते हैं।

रोहित को बीसीसीआई का समर्थन

रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित को इस दौरे पर कमान संभालने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और चयन समिति का समर्थन हासिल है। एक सूत्र ने इस रिपोर्ठ के हवाले से कहा, रोहित ने दिखाया है कि वो क्या कर सकते हैं। सभी को लगता है कि वह इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त हैं। रोहित ने भी लाल गेंद के क्रिकेट में खेलना जारी रखने की इच्छा जताई है।

रोहित ने संन्यास की खबर को किया था खारिज

चौंपियंस ट्रॉफी फाइनल जीतने के बाद कप्तान रोहित ने भी भविष्य को लेकर चीजें स्पष्ट की थी। उनका कहना था कि वह संन्यास नहीं ले रहे हैं और उनके भविष्य को लेकर अटकलें फर्जी हैं। रोहित ने कहा था, फिलहाल मैं अच्छा खेल रहा हूं और टीम के साथ जो कर रहा हूं उसका आनंद ले रहा हूं। मुझे भरोसा है कि टीम को भी मेरा साथ पसंद आ रहा होगा। मैं 2027 के बारे में अभी कुछ नहीं कह सकता क्योंकि यह अभी काफी दूर है, लेकिन मैंने अपने विकल्प खुले रखे हैं।

## कप्तान के तौर पर जीत प्रतिशत के मामले में सबसे आगे हैं धोनी, 2018 से राहुल ने बनाए हैं सर्वाधिक रन

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 की शुरुआत होने जा रही है और एक बार फिर सभी 10 टीमें खिताब के लिए जोर लगाएंगी। आईपीएल का आगामी सत्र 22 मार्च से शुरू होगा जिसके पहले मैच में गत चौंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। पिछले आईपीएल की तुलना में इस बार टीमें बदली नजर आएंगी क्योंकि मेगा नीलामी में कई खिलाड़ी इधर–उधर हो गए हैं।

धोनी ने कप्तान के तौर पर जीते हैं सर्वाधिक मैच

कुछ टीमें जहां नए कप्तान के तौर पर खेलने उतरेंगी, वहीं कुछ ऐसी भी टीमें हैं जिन्होंने अपने पुराने कप्तान पर भरोसा जताया है। ऐसी ही एक टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) है जो इस बार भी ऋतुराज गायकवाड़ की अगुआई में खेलेगी। सीएसके की कप्तानी भले ही महेंद्र सिंह धोनी छोड़ चुके हैं, लेकिन उन्होंने टीम को इतनी सफलताएं दिलाई है कि इस लीग में सबसे ज्यादा जीत प्रतिशत का रिकॉर्ड कैप्टन कूल के नाम ही है।

धोनी ने आईपीएल में 226 मैचों में कप्तानी की है और उनके नेतृत्व में टीम ने 133 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि 91 मुकाबले गंवाए हैं। धोनी का कप्तान के तौर पर आईपीएल में जीत का रिकॉर्ड 58.84 प्रतिशत का है जो किसी भी अन्य कप्तान की तुलना में सर्वाधिक है। उनके पीछे सचिन तेंदुलकर हैं। सचिन और धोनी में हालांकि फासला बेहद कम है। सचिन ने आईपीएल में 51 मैचों में टीम की कप्तानी की है और इस दौरान टीम ने 30 मैच जीते हैं और 21 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। सचिन के जीत का प्रतिशत 58.82 है जो धोनी के मुकाबले में .2 प्रतिशत कम है।

मौजूदा समय में श्रेयस–हार्दिक लिस्ट में शामिल

मौजूदा समय में सिर्फ दो कप्तान ऐसे हैं जो इस लिस्ट में शामिल हैं। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या और पिछले सीजन अपनी कप्तानी में केकेआर को खिताब दिलाने में श्रेयस अय्यर के जीत का प्रतिशत भी बेहतर है। श्रेयस इस सीजन पंजाब किंग्स की कमान संभालेंगे। हार्दिक ने 45 मैचों में कप्तानी की है जिसमें 26 मैच में जीत मिली है और 19 मुकाबले गंवाए हैं। हार्दिक का जीत का प्रतिशत 57.77 है। वहीं, श्रेयस ने 70 मैचों में कप्तानी की है जिसमें टीम को 38 मैच में जीत मिली है और 29 मैच गंवाए हैं। श्रेयस का कप्तान के तौर पर जीत का प्रतिशत 54.28 है।

2018 से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं राहुल

इस बार दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले केएल राहुल 2018 से आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। राहुल ने 2018 से 50.10 के औसत और 136.4 के स्ट्राइक रेट से 3958 रन बनाए हैं जो किसी भी बल्लेबाज की तुलना में सर्वाधिक है।

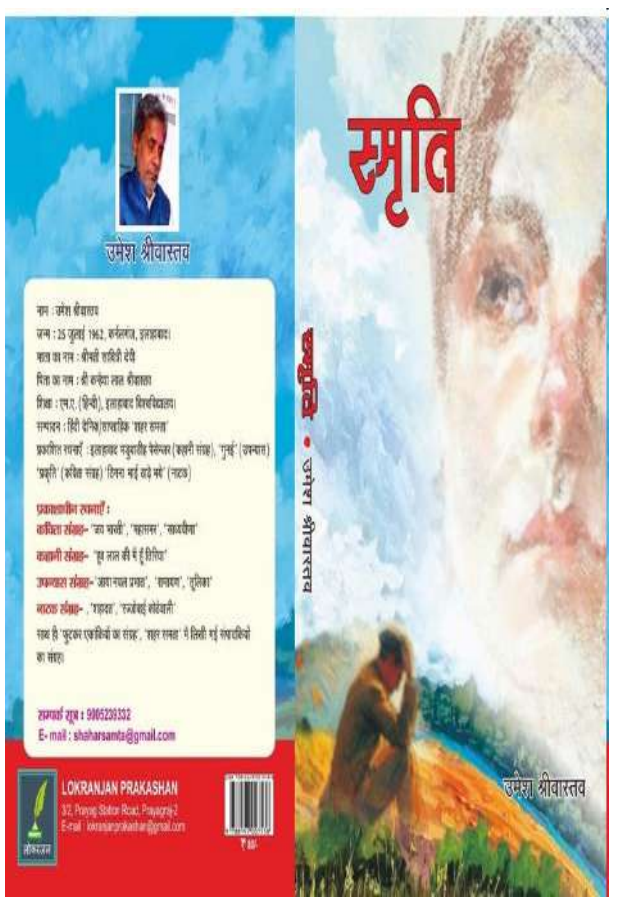


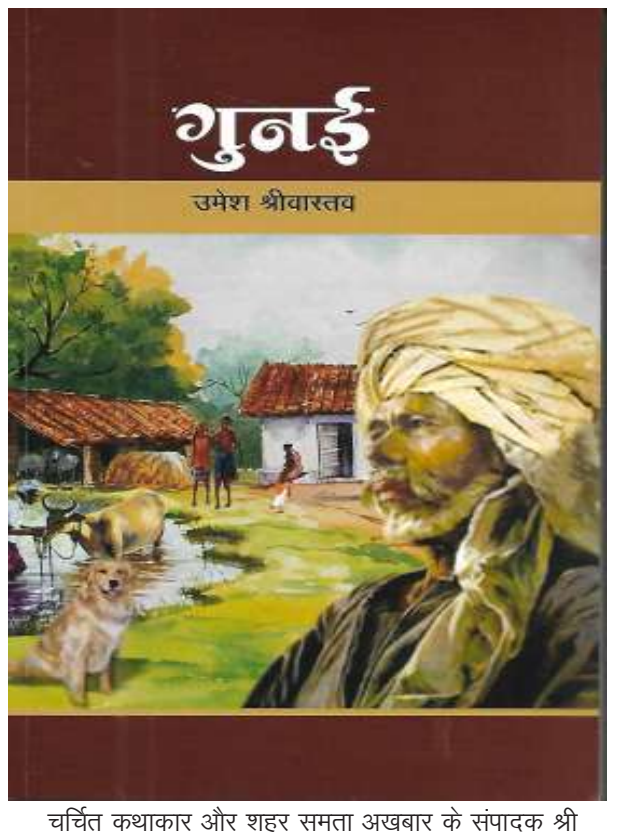


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

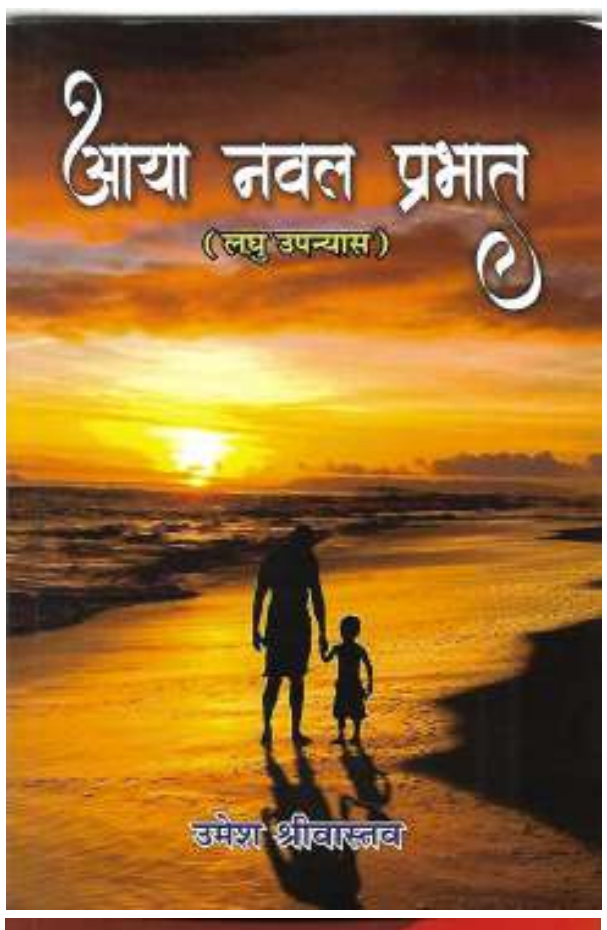


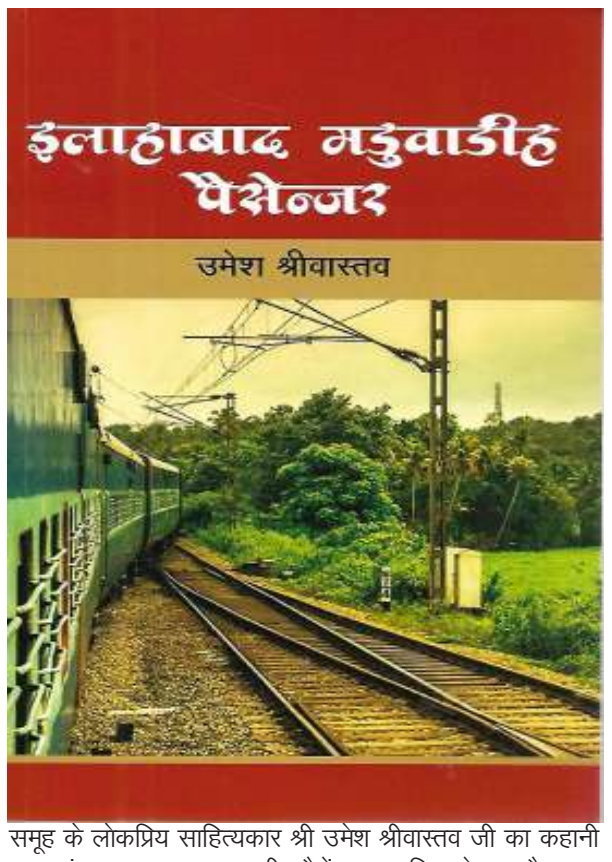


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

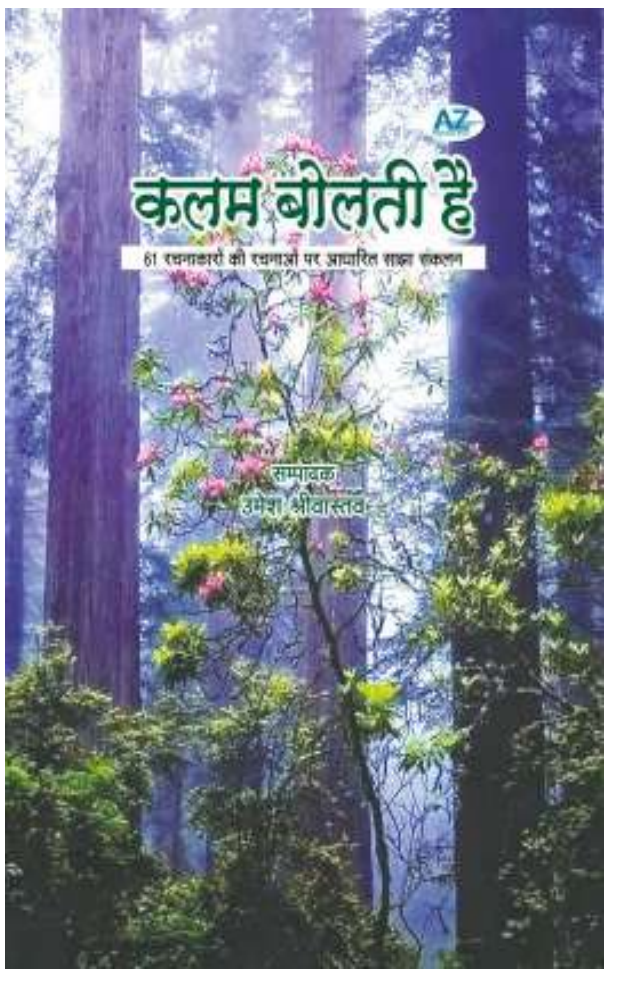


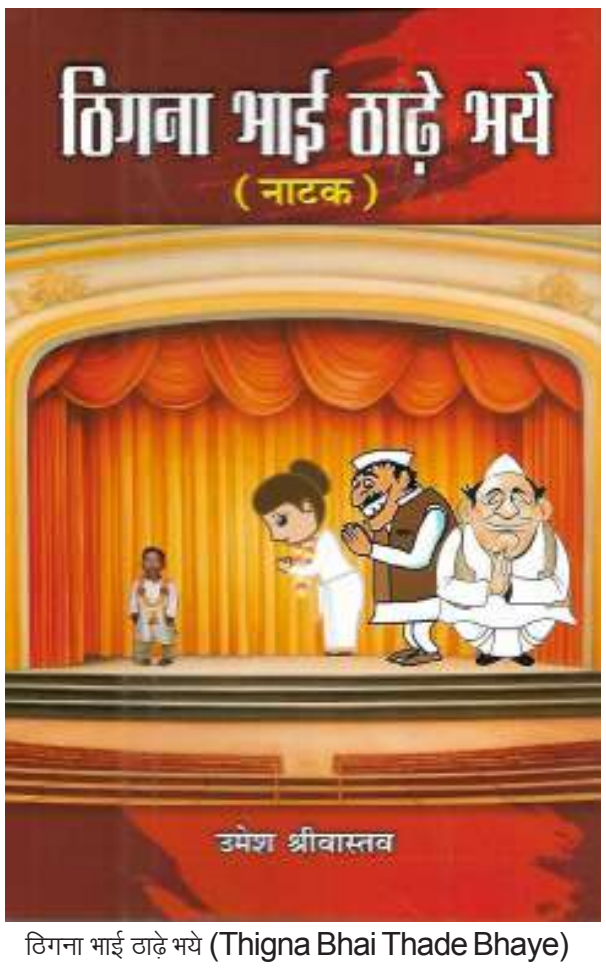


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त समाचार

### यूक्रेन युद्ध विराम के प्रस्ताव से पुतिन सैद्धांतिक रूप से सहमत

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह यूक्रेन में 30 दिन के युद्ध विराम के अमेरिकी प्रस्ताव से सिद्धांत रूप में सहमत हैं, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि शर्तों पर अभी काम किया जाना है। पुतिन ने कहा कि किसी भी युद्ध विराम से स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त होना चाहिए। पुतिन ने रूस में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "यह विचार अपने आप में सही है और हम निश्चित रूप से इसका समर्थन करते हैं।" उन्होंने कहा, "लेकिन ऐसे मुद्दे हैं जिन पर हमें चर्चा करने



की आवश्यकता है, और मुझे लगता है कि हमें अपने अमेरिकी सहयोगियों और साझेदारों के साथ इस बारे में बात करने की आवश्यकता है तथा, संभवतः, राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बात करके उनके साथ इस पर चर्चा करनी चाहिए।" राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूस से "अच्छे संकेत" मिल रहे हैं और उन्होंने पुतिन के बयान को लेकर सतर्कतापूर्ण आशावाद प्रदर्शित किया। उन्होंने दोहराया कि वह पुतिन से बात करने के लिए तैयार हैं और इस बात पर जोर दिया कि युद्ध को समाप्त करने का समय आ गया है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में नाटो महासचिव मार्क रूट के साथ बैठक की शुरुआत में कहा, पुतिन ने "बहुत आशाजनक बयान दिया, लेकिन यह पूरा नहीं था।" उन्होंने कहा कि अब हम देखेंगे कि रूस वार्ता करता है या नहीं। अगर नहीं तो यह दुनिया के लिए बहुत निराशाजनक क्षण होगा।" यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि पुतिन युद्ध विराम को "अनिवार्य रूप से अस्वीकार करने की तैयारी कर रहे हैं"। जेलेंस्की ने राष्ट्र के नाम अपने रात्रिकालीन संबोधन में कहा कि पुतिन "राष्ट्रपति ट्रंप को सीधे तौर पर यह बताने से डरते हैं कि वह इस युद्ध को जारी रखना चाहते हैं,यह कि वह यूक्रेनियों को मारना चाहते हैं।

### यूएन महासचिव ने मोहम्मद यूनुस से की मुलाकात, रोहिंग्या की स्थिति और देश के घरेलू मुद्दों पर हुई बात

ढाका। चार दिवसीय दौरे पर बांग्लादेश पहुंचे संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अंतरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने देश के घरेलू मुद्दों और रोहिंग्या की स्थिति पर चर्चा की। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने ढाका की सुधार और परिवर्तन प्रक्रिया को लेकर एकजुटता व्यक्त की। इससे पहले गुटेरेस ने कॉक्स बाजार पहुंचकर रोहिंग्या शरणार्थियों और उनकी मेजबानी करने वाले बांग्लादेशी लोगों से मुलाकात की। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि गुटेरेस को शरणार्थियों से मिलने का मौका मिला। इनमें से कई युवा पुरुष और महिलाएं थीं। शरणार्थियों ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव को अपने अनुभवों और चिंताओं के बारे में बताया। उन्होंने बच्चों से भी बात की। शरणार्थियों ने बताया कि उन्हें म्यांमार में अपने घरों की कितनी याद आती है। गुटेरेस ने युवाओं से भी मुलाकात की। युवाओं ने उनको फंडिंग कटौती के बारे में बताया। महासचिव ने सबको आश्वासन दिया कि वे फंडिंग कटौती को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के म्यांमार संघर्ष को न रोक पाने पर लोगों से माफी मांगी। इसके अलावा गुटेरेस ने 60 हजार रोहिंग्या शरणार्थियों के साथ इफ्तार भी किया। गुटेरेस ने कहा कि हम फंडिंग कटौती के साथ एक गहरे मानवीय संकट का सामना कर रहे हैं। इससे कई लोग पीड़ित होंगे, और कुछ लोग मर भी सकते हैं। गुटेरेस ने कहा कि मेरी आवाज तब तक समाप्त नहीं होगी जब तक कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह नहीं समझ लेता कि रोहिंग्या शरणार्थियों में अब निवेश करना उनका दायित्व है।

### मार्क कार्नी ने कनाडा के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली

पूर्व केंद्रीय बैंकर मार्क कार्नी ने शुक्रवार को कनाडा के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली और अब वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुरू किए गए व्यापार युद्ध, विलय के खतरे और एक संभावित आम चुनाव के बीच अपने देश को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। कार्नी (59) ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की जगह ली, जिन्होंने जनवरी में अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। लिबरल पार्टी द्वारा नया नेता चुने जाने तक ट्रूडो सत्ता में बने रहे। उम्मीद है कि कार्नी आने वाले दिनों या हफ्तों में आम चुनाव की घोषणा कर सकते हैं। कार्नी ने कहा, "हम कभी भी, किसी भी तरह से, अमेरिका का हिस्सा नहीं बनेंगे। अमेरिका, कनाडा नहीं है। हम मूल रूप से एक अलग देश हैं।" कार्नी ने कहा कि वह आने वाले दिनों में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से मिलने के लिए दोनों देशों की यात्रा करेंगे। उन्हें दोनों देशों से निमंत्रण मिला है। कनाडा के नए प्रधानमंत्री ने कहा, "हमें अपने व्यापार भागीदारों में विविधता लानी चाहिए और ऐसा करते हुए अपनी सुरक्षा को मजबूत करना होगा।" इस साल संभावित चुनाव में सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी की हार की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन ट्रंप ने शुल्क के रूप में "आर्थिक युद्ध" की घोषणा कर दी और पूरे देश को 51वें प्रांत के रूप में अमेरिका में मिलाने की चेतावनी दी। अब इन बदले समीकरण के चलते लिबरल पार्टी को चुनाव में बढ़त मिलने के दावे किए जा रहे हैं। ट्रंप ने कनाडा के इस्पात और एल्युमीनियम पर 25 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है तथा दो अप्रैल से सभी कनाडाई उत्पादों पर भारी शुल्क लगाने की घोषणा की है।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की आवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227


# बलूचिस्तान, भारत और तालिबान ने एक साथ पाकिस्तान को जड़ा तमाचा, अपने ही देश के सैनिकों के शव के साथ किया गंदा खेल

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ऐलान किया है कि बुजदिल पाकिस्तान ने अपने ही सैनिकों के साथ मक्कारी की है। पाकिस्तान इतना मक्कार देश है कि वो जंग में मारे गए सैनिकों को इज्जत से दफनाता तक नहीं है। एक बार तो भारतीय सेना ने पाकिस्तान के सैनिकों को दफनाया था। आपको बता दें कि बलूचिस्तान, भारत और तालिबान ने एक साथ पाकिस्तान को तमाचा जड़ा है। दरअसल, पाकिस्तान ने अपनी बदनामी छुपाने के लिए एक साथ तीन झूठ बोले। पाकिस्तान ने बयान जारी किया कि उसने 21 बलूचों को मारकर ट्रेन हाईजैक खत्म कर दिया है। इसके बाद पाकिस्तान ने इस ट्रेन हाईजैक का झूठा आरोप भारत और अफगानिस्तान के तालिबान पर लगा दिया। लेकिन भारत और तालिबान ने पाकिस्तान की धज्जियां उड़ाते हुए कहा कि ये सरासर झूठ है। भारत और तालिबान ने कहा कि दूसरे पर आरोप लगाने से पहले पाकिस्तान को अपने अंदर झांक लेना चाहिए। इसके बाद बारी आई बलूचिस्तान की बारी आई। बलूचों ने पाकिस्तान के सबसे बड़े झूठ को बेनकाब कर दिया है। बलूचों ने कहा है कि हमने पाकिस्तान के 100 से ज्यादा सैनिकों को मार दिया और अभी भी पाकिस्तान के कई सैनिक हमारे कब्जे में हैं। जबकि पाकिस्तान ये खबरें फैला रहा है कि उसने ऑपरेशन खत्म कर दिया है। पाकिस्तान के पास ऐसा कोई सबूत नहीं है, जिससे ये साबित हो सके कि



उसने ट्रेन को रेस्क्यू करवा लिया है। पाकिस्तान की सेना अभी तक मारे गए बलूचों के नाम और फोटो तक जारी नहीं कर पाई है। जबकि बलूचिस्तान ने पाकिस्तान के एक-एक सैनिक का नाम और उनकी जानकारियां जारी कर दी। यानी ये साफ है कि पाकिस्तान ने बलूचों द्वारा मारे गए अपने सैनिकों को पहचानने से ही मना कर दिया है। पाकिस्तान अपने ही देश के सैनिकों के शव लेने से मना कर रहा है। जो पाकिस्तानी जवान अपने देश के लिए लड़ते हैं। उन्हीं का देश उन्हें अंतिम विदाई तक नहीं दे रहा। लेकिन आपको बता दें कि ये कोई पहला मौका नहीं है जब पाकिस्तान ने ऐसा कुछ किया है। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी ठीक ऐसा ही हुआ था। कारगिल युद्ध के दौरान भी पाकिस्तान अपने सैनिकों के शवों को उठाने नहीं आया था। भारत ने तब पाकिस्तान से कहा था कि वो अपने सैनिकों के शवों को ले जाए। लेकिन पाकिस्तान ने मना कर दिया। इसके बाद भारतीय सैनिकों ने पूरे सैन्य सम्मान के साथ पाकिस्तानी सैनिकों को दफनाया था। वहां से आई तस्वीरों ने भारत और पाकिस्तान की सेना के असली फर्क को दिखाया था।

## 214 मौतों पर भारत ने पाकिस्तान को दिखाई औकात, ट्रेन हाईजैक में नाम घसीटने पर खोल दी पूरी पोल-पट्टी

48 घंटे में भी जब पाकिस्तान बीएलए के आगे नहीं झुका तो बलूच आर्मी ने भी पाक सेना के 214 सुरक्षा कर्मियों को मार गिराने दावा किया। इधर इस तरह के दावे हो रहे थे और उधर पाकिस्तान इन हमलों की जिम्मेदारी का ठीकड़ा भारत पर फोड़ने की कोशिश में लगा था। पाकिस्तान में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन हाईजैक मामले में अलग अलग दावे सामने आए। लेकिन इन सबमें सबसे झूठा दावा पाकिस्तान द्वारा भारत का नाम लेकर हमले के लिए जिम्मेदार ठहराने की थी। इधर पाकिस्तान की तरफ से ये आरोप लगाने की भूल हुई और उधर भारत ने पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दे दिया। पाकिस्तानी सेना हाईजैक ऑपरेशन खत्म करने की बात कर रहा था। उधर बलूच विद्रोही दावा कर रहे थे कि 48 घंटे पूरे होने के बाद उन्होंने 214 जवानों को मार डाला है। उधर दुनियाभर में बेइज्जत होने के



बाद पाकिस्तान इस ट्रेन हाईजैक का आरोप भारत पर लगा रहा है। भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया। भारत ने पाकिस्तान के विदेश कार्यालय द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को खारिज कर इसका सिरे से खंडन किया। पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि जाफर एक्सप्रेस हमले में भारत का हाथ था। भारत ने बलूचिस्तान ट्रेन हमले के बाद पाकिस्तान द्वारा लगाए गए आरोपों को आधारहीन करार दिया और कहा कि इस्लामाबाद को अपनी विफलताओं के लिए दूसरों पर दोष मढ़ने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। भारत ने यह भी कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान ने बलूचिस्तान ट्रेन हमले का प्रत्यक्ष रूप से उल्लेख न करते हुए बृहस्पतिवार भारत पर आतंकवाद को प्रायोजित करने का आरोप लगाया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस्लामाबाद के आरोपों पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हम पाकिस्तान द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों को पुरजोर ढंग से खारिज करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को उंगली उठाने और अपनी आंतरिक समस्याओं और विफलताओं का दोष दूसरों पर मढ़ने के बजाय अपने अंदर झांकना चाहिए। गौरतलब है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने बृहस्पतिवार को साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में बलूचिस्तान प्रांत में ट्रेन पर हुए हमले के बारे में सवाल पूछे जाने पर कहा था कि पूरी घटना के दौरान आतंकवादी अफगानिस्तान-आधारित आतंकवादियों के साथ प्रत्यक्ष संपर्क में थे। उन्होंने बिना कोई सबूत दिये आरोप लगाया था, हमारी नीति में कोई बदलाव नहीं है। और फिर, तथ्य नहीं बदले हैं। भारत पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद को प्रायोजित करने में शामिल है।

## मैं नहीं चाहता पीएम मोदी और अन्य वैश्विक नेता राजधानी में गड्ढे देखें, ट्रंप ने वॉशिंगटन डीसी को साफ करने का दिया आदेश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे नहीं चाहते कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और व्हाइट हाउस में उनसे मिलने आए अन्य विश्व नेताओं को वाशिंगटन डीसी में संघीय इमारतों के पास टेंट और भित्तिचित्र देखने को मिलें। इसीलिए उन्होंने अमेरिकी राजधानी की सफाई का आदेश दिया। न्याय विभाग में अपनी टिप्पणी में ट्रंप ने कहा, "हम अपने शहर की सफाई कर रहे हैं। हम इस महान राजधानी की सफाई कर रहे हैं, और हम अपराध नहीं होने देंगे, और हम अपराध के लिए खड़े नहीं होंगे, और हम



भित्तिचित्रों को हटाने जा रहे हैं, और हम पहले से ही टेंट हटा रहे हैं, और हम प्रशासन के साथ काम कर रहे हैं। "जब भारत के प्रधानमंत्री मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति, और ये सभी लोग। यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री, वे सभी पिछले डेढ़ सप्ताह में मुझसे मिलने आए थे। और जब वे आए। मैंने रूट चलाया।" ट्रंप ने कहा। उन्होंने कहा, "मैं नहीं चाहता था कि उन्हें टेंट, भित्तिचित्र, टूटे हुए अवरोध और सड़कों पर गड्ढे दिखें। और हमने इसे सुंदर बना दिया। ट्रंप ने कहा कि हम शहर के लिए ऐसा करने जा रहे हैं और हमारे पास अपराध-मुक्त राजधानी होगी। जब लोग यहां आएंगे, तो उन्हें लूटा नहीं जाएगा, गोली नहीं मारी जाएगी या बलात्कार नहीं किया जाएगा। उनके पास अपराध-मुक्त राजधानी होगी; फिर से, यह पहले से कहीं ज़्यादा स्वच्छ, बेहतर और सुरक्षित होने जा रही है, और इसमें हमें ज़्यादा समय नहीं लगेगा। पीएम मोदी ने 13 फरवरी को ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक के लिए व्हाइट हाउस का दौरा किया, जो जनवरी में अपने शपथ ग्रहण के कुछ ही हफ्तों बाद ट्रंप द्वारा आयोजित चौथा विदेशी नेता था। व्हाइट हाउस में ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के एक महीने से भी कम समय के भीतर, उन्होंने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा और जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय की मेजबानी की थी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर उन अन्य विदेशी नेताओं में शामिल हैं, जिनकी ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में अब तक मेजबानी की है।

## घुसना मना है...पाकिस्तानियों को अब अमेरिका में नहीं मिलेगी एंट्री, नींद उड़ा देगा ट्रंप का ये आदेश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने फैसलों से पूरी दुनिया को चौका रहे हैं। टैरिफ विवाद के बाद अब ट्रंप एक और बड़ी योजना को अमली-जामा पहनाने में लगे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप दर्जनभर से ज्यादा देशों की यात्रा पर बैन लगाने का विचार कर रहे हैं। ज्ञापन में 41 देशों की सूची सौंपी गई है। जिन पर प्रतिबंध लगाने की संभावना जताई गई है। रॉयटर्स द्वारा प्राप्त एक मसौदे के अनुसार, पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान और भूटान उन 41 देशों में शामिल हैं, जिन पर संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा पर प्रतिबंध लगने की संभावना है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन अवैध आव्रजन पर अंकुश लगाने के लिए काम कर रहा है। अधिकारियों ने कहा कि प्रतिबंध ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान लगाए गए प्रतिबंधों से अधिक व्यापक होंगे, जब उन्होंने सात बहुसंख्यक मुस्लिम देशों के यात्रियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। सुरक्षा अधिकारियों द्वारा सिफारिशों की मसौदा सूची में पाकिस्तान को 26 देशों के समूह में शामिल किया गया है, जिन्हें अमेरिकी वीजा जारी करने पर आंशिक निलंबन का सामना करना पड़ सकता है, यदि शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार 60 दिनों के भीतर कमियों को दूर करने के प्रयास करने में विफल रहती है। इस समूह के अन्य देशों में तुर्कमेनिस्तान, बेलारूस, भूटान और वानुअतु शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में भगोड़े और पूर्व आईपीएल अध्यक्ष ललित मोदी द्वारा उनकी नागरिकता प्राप्त करने का दावा करने के बाद ध्यान आकर्षित किया है। इस



सप्ताह की शुरुआत में पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने यात्रा प्रतिबंध की खबरों को अटकलबाजी करार देते हुए खारिज कर दिया था। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान को इस तरह के प्रतिबंधों का कोई आधिकारिक संकेत नहीं मिला है। खान ने कहा कि अभी तक, यह सब अटकलबाजी है और इसलिए इस पर कोई प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। अमेरिका और पाकिस्तान के बीच ताजा विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ दिनों पहले ही तुर्कमेनिस्तान में पाकिस्तानी राजदूत के.के. अहसान वगान को इस सप्ताह अमेरिका में प्रवेश देने से मना कर दिया गया था और बाद में उन्हें लॉस एंजिल्स से वापस भेज दिया गया था।

## अंतरिक्ष से सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को वापस लाने की कवायद तेज, स्पेस एक्स ने की ये तैयारी

स्पेस एक्स अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसी नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की धरती पर सुरक्षित वापसी के लिए लगातार काम कर रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को स्पेस एक्स ने अपना क्रू-10 मिशन लॉन्च किया है। इस मिशन के जरिए सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की धरती पर वापसी हो सकती है। इस दिशा में ये एक बड़ा महत्वपूर्ण कदम है। क्रू-10 के चार अंतरिक्ष यात्री क्रू-9 अंतरिक्ष यात्रियों की मदद करेंगे। क्रू नौ में फंसे हुए अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर हैं। बता दें कि ये लॉन्च पहले इस सप्ताह की शुरुआत में किया जाना था मगर तकनीकी समस्या के आने के कारण इसका लॉन्च रोका गया था। इस दौरान लॉन्च एरिया में तेज़ हवाएं चल रही थी। बता दें कि क्रू ड्रैगन कैप्सूल को ले जाने वाले स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट ने शनिवार, 15 मार्च को करीब 4:33 बजे पीएम पर उड़ान भरी है। नासा के कमर्शियल क्रू प्रोग्राम का ही ये मिशन हिस्सा है। इसमें आईएसएस में चार नए अंतरिक्ष यात्री आएंगे। इसमें नासा के ऐनी मैकक्लेन और निकोल एयर्स, श्री। के ताकुया ओनिशी और रॉसकोमॉस के किरिल पेसकोव शामिल है। क्रू 9 के टीम के सदस्य 19 मार्च तक आईएसएस से निकल सकते है। बता दें कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जून 2024 में अंतरिक्ष स्टेशन गए थे। दोनों अंतरिक्ष यात्री बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान से गए थे। अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने के बाद इसमें समस्याएं आ गई, जिस कारण दोनों अब आईएसएस में कई महीनों से रुके हुए है। उनकी ये यात्रा मूल रूप से सिर्फ एक सप्ताह की होनी थी मगर ये महीनों में तब्दील हो गई है।

ट्रंप ने मस्क को सौंपी जिम्मेदारी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पद संभालने के बाद स्पेस एक्स के मालिक एलन मस्क को दोनों अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी थी। मस्क को डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को जल्द ही धरती पर वापस लाया जाए।

## अमेरिका में तूफान का कहरः फिर संकट में अमेरिका,अब तक तीन की मौत

ओक्लाहोमा सिटी। अमेरिका में अब बड़े तूफान ने कहर बरपाया है। इस तूफान में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि कई राज्यों में चली तेज हवाओं के चलते सड़क पर खड़े ट्रक पलट गए। इसके अलावा कई जंगलों में आग लग गई।

मिसौरी में कम से कम पांच


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।